दैनिक कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष : 27, अंक : 209 पृष्ठ 12, रीवा

शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

मूल्य : 3.00 रुपए

तेलंगाना ने लू को आपदा घोषित किया

मृतकों के परिवार को 4 लाख मिलेंगे; जैसलमेर में पारा 46 डिग्री, राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव

नई दिल्ली राजस्थान में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इनमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान रहा।मप्र में भी बारिश के बाद गर्मी का असर बढ़ गया है। बुधवार को प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। आज भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है।उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में कम से कम 15 दिनों तक लू की आशंका है। इसे देखते हुए सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला संभवतः देश का पहला राज्य है। गर्मी के बीच, मौसम विभाग ने यूपी, बिहार समेत देश के 24 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अनुमान जताया है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, छत्तीसगढ़ में ओले और बिहार, पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को सलाह, राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

-अनुच्छेद 142 के तहत मिले अधिकार न्यूक्लियर मिसाइल बन गए

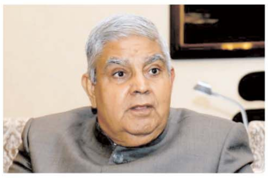

नई दिल्ली उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर बनाम राज्य सरकार मामले में गवर्नर के अधिकार की च्सीमाज् तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने कहा था, च्राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोकने को अवैध बताया।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित कर धनखड़ ने कहा, हमारे पास इसतरह के न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा के घर अधजली नकदी मिलने के मामले में अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई? क्या कुछ लोग इस देश में कानून से ऊपर हैं। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की इन-हाउस कमेटी बनाई है।

पंजाब पुलिस ने 407 महिला नशा तस्करों को गिरफ्तार किया,

अमृतसर पंजाब पुलिस ने नशे के खिलाफ छेड़ी गई अपनी मुहिम में पहली बार महिला तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।1 मार्च 2025 से शुरू हुए अभियान के तहत अब तक 407 महिला नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। राज्य पुलिस विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है।

भाजपा से नाता तोड़, हिंदुत्व की विचारधारा से मुंह नहीं मोड़ा- उद्धव ठाकरे

नासिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ा है, हिंदुत्व की विचारधारा से मुंह नहीं मोड़ा है। भाजपा का घिसा-पिटा हिंदुत्व मुझे स्वीकार नहीं है। दरअसल भाजपा ने उद्धव पर हिंदुत्व छोड़ने का आरोप लगाया था। इस पर उद्धव ने यह बात नासिक में पार्टी के संकल्प शिविर में कही।

वक्फ संशोधन कानून के तहत यूपी के बरेली में पहला मुकदमा दर्ज

बरेली । यूपी के बरेली में वक्फ संशोधन कानून लागू होने के बाद प्रदेश में पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि कब्रिस्तान के नाम पर दर्ज सरकारी जमीन को फर्जी ट्रस्ट बनाकर वक्फ में रजिस्टर्ड किया गया। इसके बाद दरगाह बनाकर झाड़-फूंक शुरू कर दी गई।

वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और संपत्ति बदलाव पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जवाब के लिए दिए 7 दिन

नई दिल्ली,। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करे, और तब तक वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी और न ही वक्फ बाय यूजर संपत्तियों में किसी प्रकार का कोई बदलाव ही किया जाएगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से स्टे न देने की अपील करते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का समय मांगा, जिसे पीठ ने मंजूर कर लिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम रूप से यथास्थिति बनी रहेगी, जिससे किसी पक्ष के अधिकारों को नुकसान न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि धारा 9 और 14 के अंतर्गत परिषद और वक्फ बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। साथ ही वक्फ बाय यूजर के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों को डिनोटिफाई या परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

वक्फ संबंधी मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन दोपहर दो बजे शुरू हुई। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 05 दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर जवाब दाखिल कर सकते हैं, जिसके बाद मामले को अंतरिम आदेश के लिए सूचीबद्ध किया जा सकेगा। यहां एसजी तुषार मेहता ने स्टे नहीं लगाने का आग्रह हुए करते कोर्ट से कहा, ऐसा करके आप एक कठोर कदम उठाएंगे। हफ्तेभर का मुझे समय दें, ताकि जवाब दाखिल किया जा सके और दिखाया जा सके कि यह सब कैसे हुआ। एसजी तुषार की दलील पर सीजेआई ने कहा, कुछ कमजोरियां थीं तो वहीं कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं। ऐसे में हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले...। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, केंद्र 7 दिनों के भीतर जवाब देना चाह रहा है। इसी के साथ उन्होंने अदालत को आश्वस्त करते हुए कहा, कि धारा 9 और 14 के तहत परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक वक्फ जिसमें पहले से रजिस्टर्ड या नोटिफिकेशन के जरिए से घोषित वक्फ बाय यूजर शामिल है, को न तो डिनोटिफाई किया जा सकेगा और न ही उसमें कलेक्टर ही कोई बदलाव कर सकेगा।

जाति जनगणना रिपोर्ट पर कर्नाटक सरकार चर्चा करेगी और फैसला लेगी खड़गे

नई दिल्ली,। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करेगी और उचित फैसला करेगी। सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को जाति जनगणना नाम से भी जाना जाता है। खड़गे ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने इसे नहीं देखा है। खड़गे ने कहा कि यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है, हर राज्य अपना काम करता है। केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार मंत्रिमंडल में चर्चा करेगी और फैसला लेगी। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है। मामला राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के विरोध के बारे में कहा कि विरोध हो सकता है। मैंने अपनी राय साझा की है। जाति जनगणना पर विरोध के बीच सीएम सिद्धरमैया की अगुवाई में कर्नाटक सरकार की एक विशेष बैठक गुरुवार को बुलाई गई है।

महाराष्ट्र सरकार 1500 के बजाय हर माह सिर्फ 500 रुपए देगी

मुंबई महाराष्ट्र में पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहीं 8 लाख महिलाओं को अब लाड़ली बहना योजना के तहत 1500 के बजाय हर माह सिर्फ 500 रुपए ही दिए जाएंगे। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के खजाने पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए यह फैसला लिया है।अब दो सरकारी योजनाओं का लाभ ले रही लाड़ली बहनों की राशि में 1000-1000 रुपए की कटौती होगी। इस निर्णय से फडणवीस सरकार की हर महीने 80 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे पहले, करीब 11 लाख लाड़ली बहनों को योजना के मानदंड पर खरी न उतरने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था।दरअसल महायुति सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले योजना शुरू की थी। तब 2.5 करोड़ महिलाओं को हर माह 1500 रुपए की राशि मिल रही थी। चुनाव में महायुति सरकार के स्पष्ट बहुमत के साथ दोबारा सत्ता में आने का श्रेय लाड़ली बहना योजना को दिया गया था। लेकिन अक्टूबर 2024 तक योजना के लिए 2.63 करोड़ आवेदन मिले थे। अब 6 महीने की जांच के बाद लाभार्थियों की संख्या में 11 लाख कम हुई है। फरवरी और मार्च में 2.46 करोड़ महिलाओं को पैसा मिला। राज्य सरकार ने 2025-26 के बजट में योजना के लिए आवंटित 46,000 करोड़ से घटाकर 36,000 करोड़ किया है।संजय गांधी निराधार योजना के लाभार्थियों 65 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं, परिवार के सदस्यों के नाम पर वाहन वाली महिलाओं और 2.5 लाख रुपए से अधिक वार्षिक आय वाली महिलाओं को योजना से अयोग्य घोषित किया है।

पटना में महागठबंधन की बैठक से पहले राजद का दावा, तेजस्वी ही सीएम चेहरा

पटना बिहार चुनाव को लेकर इनदिनों सियासी सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं। बिहार में मुख्य विरोधी दल के नेता तेजस्वी यादव ने हाल ही में दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। दिल्ली के बाद अब पटना में बैठकों का दौर शुरु हो रहा है। पटना में गुरुवार को विपक्षी महागठबंधन के नेताओं की बैठक होनी है जिसमें सीट शेयरिंग और मुख्यमंत्री उम्मीदवार जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी है। लेकिन बैठक से पहले राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी की दावेदारी ठोंक दी है।

आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने महागठबंधन की बैठक से पहले कहा कि चुनाव नजदीक हैं और हम अपने घटक दलों के साथ बैठकर आगे की रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। राजद प्रवक्ता तिवारी ने साफ कहा कि 2020 में भी तेजस्वी यादव ही सीएम कैंडिडेट थे और 2025 में भी वहीं मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं।

उन्होंने सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर तंज करते हुए कहा कि जेडीयू को नीतीश के नेतृत्व के दावे को लेकर पोस्टर लगाना पड़ रहा है। इसके पहले महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने भी तेजस्वी को छोटा भाई बताकर सीएम बनाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि हमारे पास दो से तीन दर्जन विधायक होते हैं, तब हमारी सरकार बनेगी। छोटे भाई तेजस्वी यादव सीएम और मैं डिप्टी सीएम बनूंगा।

अब सभी की नजरें कांग्रेस के रुख पर होंगी। पिछले दिनों कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने सीएम फेस को लेकर सवाल पर कहा था कि इसका फैसला चुनाव बाद सभी दलों के नेता बैठकर करने वाले है। इसके बाद से ही सीएम फेस को लेकर महागठबंधन में अलग-अलग सुर और तेजस्वी की अगुवाई पर कांग्रेस की असहमति के कयास लगने लगे थे।

आज भारत दौरे पर आ रहे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

पत्नी ऊषा वेंस और बच्चे भी साथ

नई दिल्ली अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पत्नी ऊषा वेंस और बच्चों के साथ 18 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा 18 से 24 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद वेंस दंपती इटली की यात्रा पर रवाना होने वाले है। भारत में अपने प्रवास के दौरान वेंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने और व्यापारिक टैरिफ जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा कर सकते है। गौरतलब है कि ऊषा भारतीय मूल की पहली अमेरिकी सेकेंड लेडी हैं। उनका भारत दौरा पारिवारिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी काफी अहम है। सूत्रों के मुताबिक, वेंस परिवार आगरा में ताजमहल का दीदार करेगा, जिससे यह दौरा एक पारिवारिक और औपचारिक रंग में रंगा हुआ दिखेगा। वर्तमान में वैश्विक व्यापार में टैरिफ को लेकर जो उठा-पटक जारी है, उसमें अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ बढ़ाने की नीति के कारण भारत-अमेरिका व्यापार में कुछ तनाव की स्थिति बन गई थी, इस अब सुलझाने की कोशिश की जा रही है। वेंस और मोदी के बीच होने वाली बातचीत में इसी मुद्दे पर गहन चर्चा की संभावना है।

सोनिया-राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

अजमेर, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। इसके विरोध में अजमेर के गांधी भवन पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया और रास्ता जाम कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को अजमेर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में कांग्रेसी गांधी भवन पर जमा हुए और पीएम मोदी के खिलाफ प्रदर्शन पुतला भी फूंका। आक्रोशित कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कुछ देर के लिए रास्ता भी जाम कर दिया। जैन ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में बीजेपी राहुल गांधी और सोनिया गांधी को दोषी करार करने में जुटी है। देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसका कांग्रेस विरोध कर रही है। कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता ने कहा कि देश के अंदर लोकतंत्र को तोड़ने के लिए तमाम मर्यादाएं बंद कर दी गई हैं। संविधान और सिद्धांतों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। जिस केस में 1 रुपए का लेनदेन नहीं हुआ जिस पर ईडी की ओर से चार्जशीट पेश की गई है। इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता है।

राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करवाई जा रही है। पीएम मोदी ने 2014 के बाद से 122 लोगों के ऊपर कारवाई करवाई है।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की सजा काट रहा हूं: रॉबर्ट वाड्रा

गुरुग्राम,। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा गुरुग्राम में 2008 के जमीन का सौदा किया था। इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच का सामना उन्हे करना पड़ रहा है। ईडी द्वारा की जा रही पूछताछ को वाड्रा ने साजिश करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और यह कदम कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह सब तब शुरू हुआ जब उन्होंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई और राजनीति में प्रवेश की इच्छा जताई।

वाड्रा ने दावा किया कि उनसे वही पुराने सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनका जवाब वे पहले ही 2019 में दे चुके हैं। उन्होंने कहा, यह वही पुराने सवाल हैं जिनके जवाब मैंने 2019 में दिए थे। इनका कोई आधार नहीं है। कोई गलत काम नहीं किया गया है। इस केस में खुद बीजेपी के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो बार मुझे क्लीन चिट दी है, फिर अब समन क्यों? उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर लगे आरोपों को भी राजनीति से प्रेरित बताया। प्रियंका गांधी के पति ने आगे कहा, नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट और मुझे समन एक ही दिन में भेजा गया यह बीजेपी का राजनीतिक कैंपेन है और ईडी का दुरुपयोग है। यह केवल मीडिया के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश है कि हमने कुछ गलत किया है, जबकि सच्चाई यह है कि कुछ भी गलत नहीं किया गया है।

मीडिया से बात करते हुए वाड्रा ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। जब कोई मुख्यमंत्री पद के लिए संभावित उम्मीदवार होता है या कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो एजेंसियां उसके पीछे पड़ जाती हैं। क्या किसी बीजेपी मंत्री या सदस्य को ईडी ने कभी समन किया है? क्या बीजेपी के सभी नेता निर्दोष हैं? उन पर कोई आरोप नहीं हैं? उन्होंने आगे कहा, मैं वो व्यक्ति हूं जो दबाव में और मजबूत होता है। मेरे साथ लोग हैं, मैं उनके लिए बोलता हूं, जब इस पार्टी द्वारा लोगों पर अन्याय किया जाता है। मैं अन्याय के खिलाफ हूं और इसके खिलाफ लड़ता रहूंगा, कोई मुझे रोक नहीं सकता।

आप नेता दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई ने मारा छापा

नई दिल्ली,। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई ने छापा मारा है। सीबीआई छापेमारी को लेकर एक अधिकारी ने बताया कि दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की तलाशी चल रही है। उनके घर पर फॉरिन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी एक्ट के एक मामले में छापा मारा गया है।

यहां दूसरी तरफ गुरुवार सुबह दिल्ली स्थित आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर पर सीबीआई छापे का दावा करते हुए आप के कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत कई नेताओं ने छापे की जानकारी दी। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 2027 में गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी मिलते ही दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई ने छापा मारा है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी का गंदा खेल फिर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा गुजरात के आप प्रभारी पाठक के घर सीबीआई पहुंची है। मोदी सरकार ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने का हथकंडा अपनाकर देख लिया, लेकिन फिर भी उनको चैन नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि गुजरात में बीजेपी की हालत पतली है। आप ने जैसे ही दुर्गेश पाठक को गुजरात चुनावों का प्रभारी बनाया,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.39 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह तथा अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ 85.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

वन97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

नई दिल्ली। कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है।

सोना पहली बार 95 हजार पार, बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। देश में सोने की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। 16 अप्रैल को सोने ने नया इतिहास रच दिया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 628 रुपये बढ़कर 95,207 रुपये हो गई है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले यह 94,579 रुपये थी। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है और यह 936 रुपये गिरकर 95,639 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

निफ्टी में भी 414 अंकों की बढ़त

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की ब?त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने ?10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है।अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया। सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआहै। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा।

सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच 4 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले लग्जरी घरों की बिक्री में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस दौरान कुल 1,930 लग्जरी यूनिट्स की बिक्री हुई। दिल्ली-एनसीआर इस सेगमेंट में सबसे आगे रहा, जहां 950 यूनिट्स बिके। इसके बाद मुंबई का स्थान रहा, जिसकी कुल बिक्री में हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत रही। दक्षिण भारत में बेंगलुरु में लग्जरी सेगमेंट में सबसे अधिक उछाल देखने को मिला। यहां इस साल की पहली तिमाही में 190 यूनिट्स बिके, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा सिर्फ 20 था। कोलकाता और चेन्नई की इस सेगमेंट में संयुक्त हिस्सेदारी करीब 5 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट में बताया गया कि हाई-एंड सेगमेंट की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और मिड-एंड सेगमेंट की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत रही। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती से होम लोन की किस्तें कम हो सकती हैं, जिससे किराये और ईएमआई में अंतर घटेगा और ग्राहक खरीदारी को प्राथमिकता देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2023-24 में बढ़े स्तर पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिससे इस वर्ष नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग अधिक रहने की संभावना है। सीबीआरई के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा कि बढ़ती आय, जीवनशैली में बदलाव और आधुनिक सुविधाओं से लैस घरों की चाहत इस मांग को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और बेहतर फंडिंग विकल्पों के चलते आवासीय मांग स्थिर रहने की उम्मीद है।

यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

- बैंक ने कहा वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा

मुंबई। यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है।

बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा। बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है।

बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था। इस गलती को सुधारने के लिए 15 अप्रैल 2025 को एक रेक्टिफिकेशन आर्डर पास किया गया। हालांकि, इस आदेश के बाद टैक्स की मांग में काफी वृद्धि हो गई, और बैंक ने इसे बिना किसी ठोस कारण के बताया है। बैंक ने कहा कि वह इस अतिरिक्त टैक्स डिमांड के खिलाफ तुरंत रेक्टिफिकेशन आवेदन दाखिल करेगा और अगर जरूरत पड़ी, तो अपीलीय न्यायाधिकरण में भी अपील करेगा।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज्ज 60 स्टायलस लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में मोटोरोला ने नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज्ज 60 स्टायलस लॉन्च किया है। फोन में 6.7 इंच का पीओ एलईडी डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। यह स्टायलस सपोर्ट वाला सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें एआई स्केच-टू-इमेज फीचर भी मिलता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स डिस्प्ले पर स्केच बनाकर उसे इमेज या पेंटिंग में बदल सकते हैं। मोटोरोला एज्ज 60 स्टालस स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है और इसमें 8जीबी रैम के साथ 256जीबी इंटरनल स्टोरेज मिलती है। स्टोरेज को 1टीबी तक माइक्रो एसडी कार्ड से बढ़ाया जा सकता है। फोन एंड्रायड 15 बेस्ड माय यूएक्स पर काम करता है और दो एंड्रॉयड अपडेट व तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट का वादा कंपनी ने किया है। कैमरे की बात करें तो इसमें ओआईएस सपोर्ट के साथ 50एमपी का सोनी एलवायटी-700सी मेन कैमरा और 13एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा है। फ्रंट में 13एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, ड्यूल सिम (नैनो प्लस ईसिम), डोल्बी एटमॉस स्पीकर और एनएफसी जैसे फीचर्स मिलते हैं।

इसका एकमात्र 8 जीबी+256जीबी वेरिएंट रुपए 22,999 में उपलब्ध होगा, लेकिन बैंक ऑफर के तहत इसे रुपए 21,999 में खरीदा जा सकेगा। पहली सेल 23 अप्रैल दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला की वेबसाइट और ऑफलाइन स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन दो रंगों ड्रूप्टेंन ग्रिब्राल्टर सी और सर्फ द वेब में मिलेगा। बैटरी की बात करें तो फोन में 5000 एमएएच बैटरी है, जो 68 वॉट फास्ट वायर्ड और 15 वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन आईपी68 वॉटरप्रूफ रेटिंग और एमआईएल-एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ आता है, जिससे यह पानी और धूल से सुरक्षित रहता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक-563/ई-टेंडर/अमृत-2.0/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 17-04-2025

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत प्रतिष्ठित कंपनी/फर्म/एजेन्सियों/ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_417478_1 17.04.2025 [FIRST CALL] 563/17.04.2025	अमृत-2.0 के अंतर्गत रीवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना का कार्य।	18 माह ₹423.33 लाख	₹15000.00 ₹211665.00	19.05.2025 18:00 बजे तक।

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

17/4/2025

कार्यपालन यंत्री (सीवरेज)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है।

इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

पतंजलि ने खरीद ली मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने खरीदी प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पतंजलि आयुर्वेद को और 5 अन्य इकाइयों को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी हासिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से पतंजलि के व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी। प्रस्तावित मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में अधिग्रहण के लिए सीसीआई ने ग्रीन चैनल रूट का उल्लंघन नहीं होने का आश्वासन दिया है। इसके तहत, यह लेन-देन प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालेगा। पतंजलि आयुर्वेद के साथ इस सौदे में शामिल होने वाली इकाइयां एसआर, रीति, आरआर, सुरुचि और स्वाति फाउंडेशन हैं। बाबा रामदेव की कंपनी को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में 98.055 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल होगी। इस निर्णय के बाद, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लि. मैग्मा जनरल इंश्योरेंस की प्रवर्तक इकाई बनेगी। यह स्थापित भारतीय कंपनियों के बीच एक नया साझेदारी का प्रस्ताव है, जिससे कारोबार में नयी ऊर्जा आने की संभावना है। अदार पूनावाला की सनोती प्रॉपर्टीज भी इस सौदे में शामिल हैं, जिससे उनकी हिस्सेदारी पतंजलि आयुर्वेद और कुछ अन्य कंपनियों को बेच दी गई है। सनोती प्रॉपर्टीज में अदार पूनावाला का 90 फीसदी हिस्सेदारी है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद मैहर,जिला–मैहर (म.प्र.)

Phone-(07674) 232054, Fax-(07674) 234288, e-mail-mcmaihar@gmail.com

क्र. / 69 / न.पा. / यां.प्र. / नि.सू. / 2025 मैहर,दिनांक–15 / 04 / 25

निविदा सूचना

नगरपालिका परिषद मैहर द्वारा वर्ष 2025–26 हेतु केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत पंजीकृत संविदाकारों से कॉलम में दर्शित कार्यो हेतु ई–टेण्डिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय एवं डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेब साइट www.mptenders.gov.in से एवं कार्यालय नगरपालिका परिषद मैहर से प्राप्त की जा सकती है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित व्यय	अमानत राशि	निविदा फार्म शुल्क
01	417040	निर्माण कार्यो में प्रयुक्त होने वाली मशीनरी प्रदाय	25,00,000.00	18,750.00	5,000.00

अतः इच्छुक फर्म / व्यक्ति नियत तिथि एवं समय में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित अमानत राशि एफ.डी.आर जमा कर निविदायें प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त कार्य के निविदा प्रपत्र दिनांक 18 / 4 / 25 समय 10:30 बजे से दिनाक 19 / 5 / 25 को समय 17:30 बजे तक ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद मैहर

एपल ने कार्गो लाइट्स से अमेरिका भेजे 600 टन आईफोन,नहीं होंगे महंगे

नई दिल्ली। एपल के भारत स्थित मुख्य सप्लायर्स फॉक्सकॉन और टाटा ने मार्च महीने में अमेरिका को रिकॉर्ड स्तर पर करीब 2 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन निर्यात किए हैं। कस्टम डेटा के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए कंपनी ने एयरलिफ्ट के जरिए बड़ी मात्रा में डिवाइस भेजी हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आईफोन निर्माता कंपनी ने भारत में अपना उत्पादन तेज किया और चार्टर्ड कार्गो फ्लाइट्स से 600 टन आईफोन को अमेरिका भेजा ताकि उसके एक बड़े मार्केट में इन्वेंटरी की कोई कमी न हो। टैरिफ के चलते एपल को कीमतों में संभावित बढ़ोतरी का खतरा था। अप्रैल में अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर 26 फीसदी शुल्क लगाया है, जो उस समय चीन पर लागू 100 फीसदी से ज्यादा शुल्क की तुलना में काफी कम था। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने बाद में चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों के लिए टैरिफ को 90 दिन के लिए रोक दिया है। कस्टम डेटा के मुताबिक एपल के भारत स्थित मुख्य सप्लायर फॉक्सकॉन ने मार्च में रिकॉर्ड स्तर पर स्मार्टफोन का निर्यात किया है। कंपनी ने अकेले मार्च में 1.31 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन अमेरिका भेजे हैं, जो जनवरी और फरवरी दोनों महीनों के कुल शिपमेंट के बराबर है। इस निर्यात में एपल के आईफोन 13, 14, 16 और 16ई मॉडल शामिल थे। इसके साथ ही फॉक्सकॉन का इस साल भारत से अमेरिका को कुल निर्यात 5.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

एपल के एक सप्लायर टाटा इलेक्ट्रानिक्स ने मार्च में 612 मिलियन डॉलर मूल्य के आईफोन का निर्यात किया था, जो फरवरी की तुलना में करीब 63 फीसदी ज्यादा था। टाटा की ओर से भेजे गए मॉडलों में आईफोन 15 और 16 शामिल थे। एपल, फॉक्सकॉन और टाटा ने इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

नरवाई जलाने से घटती है खेत की उर्वरा शक्ति

सतना वर्तमान में गेहू फसल की कटाई चल रही है। कटाई के बाद कुछ किसान भाई गेहूँ के अवशेष (नरवाई) को जला देते है। नरवाई जलाने से पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचती है, साथ ही खेत की मिट्टी के लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु मर जाते हैं। कहने का आशय है कि भूमि गर्म हो जाने से उर्वरता घट जाती है। इसलिए किसान भाईयों से अपील की गई है कि गेहूँ की कटाई के बाद नरवाई न जलाएँ। नरवाई जलाना दण्डनीय अपराध है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियां

सीधी म.प्र. शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के निर्देशों के परिपालन में पूरे जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के तहत चिन्हित कार्यो को अभियान अवधि में संपादित करने, पूर्व से प्रचलित कार्यों का पूर्ण कराने तथा नवीन कार्यों को स्वीकृत करने के साथ-साथ जन भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक तिथि निर्धारित करते हुए जिला एवं खण्ड स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं।

सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की बैठक 24 अप्रैल को

सीधी उप आयुक्त सहकारिता तथा सचिव सहकारिता उद्योग एवं स्थायी समिति ने जानकारी देकर बताया है कि सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति जिला पंचायत सीधी के सभापति की सहमति से स्थायी समिति की बैठक दिनांक 23.04.2025 को 12.00 बजे दिन से जिला पंचायत सीधी के सभागार में आयोजित की गई है।

जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का किया गया गठन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी हेतु शैलेश कुमार पाण्डेय परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया है जो प्रतिदिवस समस्त जनपदों के अति.कार्य. अधिकारीध्सहायक यंत्रीध्उपयंत्रियों से संपर्क कर प्रगति की जानकारी संकलित कर रहा है तथा प्रगति की समीक्षा प्रतिदिवस मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा की जा रही है।

चित्रकूट के विकास प्रोजेक्ट तेजी से पूरे किये जायें-कलेक्टर

सतना चित्रकूट के समग्र विकास परियोजनाओं और चित्रकूट विकास प्राधिकरण के कार्यों को गति देने कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को कलेक्टर कक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता एवं कार्यों के प्राक्कलन, टेण्डर एवं अन्य प्रक्रियात्मक कार्य तेजी के साथ संबंधित विभागों के समन्वय से किये जाये। इस मौके पर एसडीएम एपी द्विवेदी, एसडीओ फारेस्ट अभिषेक तिवारी, उप वन मण्डलाधिकारी आईयूडीपी से जुडे अधिकारी उपस्थित थे।

एक सप्ताह से ऊपर के खराब ट्रांसफार्मर की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करें-कलेक्टर

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में किये जाने वाले प्री मानसून मेंटीनेंस के कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपादित करे और ग्रामीण क्षेत्रों में एक सप्ताह से अधिक समय से खराब ट्रांसफार्मर की अद्यतन जानकारी हर सप्ताह टीएल में प्रस्तुत करें। गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर ने विद्युत विभाग के कार्यों एवं प्रस्तावित प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता पीके मिश्रा, डिविजनल इंजीनियर नीलभ श्रीवास्तव सहित सतना ग्रामीण, रामपुर बघेलान, नागौद एवं ई एण्ड एम के अभियंता उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि चित्रकूट के विकास कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के विषय है। कामदगिरि परिक्रमा और बस स्टैण्ड से पीली कोठी तक बिजली बायरों एवं लाइन की अण्डर ग्राउण्ड लाइनिंग और मोहकमगढ चौराहे से बस स्टैण्ड तक विद्युत पोल और लाइन शिफ्टिंग का कार्य शीघ्रतापूर्वक समय-सीमा में पूर्ण कराये। अधीक्षण यंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि सतना और मैहर जिले में कृषि के 53 फीडर से 10 घंटे, 61 घरेलु फीडर से 24 घंटे और 310 मिश्रित फीडर से तीन फेज 10 घंटे तथा सिंगल फेस से 14 घंटे बिजली का प्रदाय सतत किया जा रहा है। आरडीएसएस योजना में फीडर विभक्तिकरण का शेष कार्य 274 करोड रूपये की लागत से किया जा रहा है। प्रस्तावित 234 कार्यों में 64 पूर्ण कर लिये हैं। शेष 170 नग कार्यों को दिसम्बर 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

अधीक्षण यंत्री ने बताया कि मोहकमगढ से बस स्टैण्ड तक 11 केवी एवं एलटी लाइन शिफ्टिंग कार्य में 11 केवी की 5 किमी लम्बाई में से 3.2 किमी तक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। चित्रकूट परिक्रमा पथ में अण्डर ग्राउण्ड केबिल के कार्य में 0.2 किमी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कुल 3.229 किमी की लाइन परिक्रमा पथ में अण्डर ग्राउण्ड की जानी है। विभागीय कार्य योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के 23 करोड 17 लाख के स्वीकृत 481 कार्यों में 18 करोड 28 लाख रूपये से 410 कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 करोड 24 लाख रूपये के स्वीकृत 434 कार्यों में 5 करोड 90 लाख रूपये से 365 कार्य पूर्ण किये गये हैं।

कलेक्टर ने कहा कि विद्युत लाइन विस्तार या सब स्टेशन के लिए फारेस्ट अथवा राजस्व से भूमि संबंधी समन्वय के मामले टीएल की बैठक में प्रस्तुत करें।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत खाद्यान्न वितरण का लाभ लेने ई-केवाईसी अनिवार्य

ई-केवाईसी के लिए 30 अप्रैल तक चलेगा विशेष अभियान

सीधी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत सीधी जिले में सम्मिलित 1044825 में से 777867 हितग्राही सदस्यो के ई-केवाईसी किए जा चुके है एवं सीधी जिले में 266953 हितग्राही सदस्यो की ई-केवाईसी दिनांक 30.04.2025 तक करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा दिये गये है। समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी नहीं होने पर शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान कर रोक लगाया जाना संभावित है।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्देशित किया है कि एनएफएसए अंतर्गत सम्मिलित शेष समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवाईसी का लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु गठित दल अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित की जाए। दिनांक 30.04.2025 तक ई-केवाईसी करने का विशेष अभियान चलाया जाए। ई-केवाईसी से शेष हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध है, जिसका प्रिंट निकाल कर ग्राम पंचायत कार्यालय तथा उचित मूल्य दुकान पर प्रदर्शित कराया जाए। ई-केवाईसी करने हेतु गठित दल द्वारा ग्रामवार व मोहल्लेवार कैम्प लगाकर हितग्राहियों के ई-केवाईसी किए जाए एवं ग्राम व मोहल्ले में शेष समस्त हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने के उपरांत ही अन्य ग्राम व मोहल्ले में कैम्प आयोजित किए जाए। ई-केवाईसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने, स्थाई रूप से प्रवास पर जाने (विवाह आदि कारणों से) एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टि की जाए।

पात्र हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराने हेतु जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने की निःशुल्क सुविध उपलब्ध है। पात्र हितग्राहियो के डाटाबेस में त्रुटिपूर्ण अन्य व्यक्ति का आधार नम्बर दर्ज होने पर सही आधार नम्बर दर्ज करने की सुविधा पीओएस मशीन में उपलब्ध है।

सामुदायिक पुलिसिंग को बडावा देने विद्यार्थियों को थाना भ्रमण करवाते हुए.आशा सिलावट

'सीधी।'पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को ब?ावा देने के उद्देश्य से स्कूलध्कॉलेज में जाकर तथा उन्हें थाना विजिट कराकर पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराने हेतु जिले के समस्त अनुभागों के पुलिस अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया था इसी क्रम में थाना चुरहट मे पदस्थ उप निरी आशा सिलावट के नेतृत्व में चुरहट पुलिस द्वारा रॉयल पब्लिक स्कूलए चुरहट के छात्रों के लिए भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र.छात्राएं एवं शिक्षक थाना चुरहट पहुंचे। छात्रों को थाना भ्रमण करवाने का उद्देश्य कानून व्यवस्था की सामान्य जानकरीए पुलिस की कार्यप्रणाली और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाते हुए सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर देना था।थाना परिसर में पहुंचते ही छात्रों का स्वागत थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम द्वारा किया गया। चुरहट पुलिस ने छात्रों को एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रियाए अपराधों की जांच साइबर अपराध की सावधानियाँ और थाना परिसर की संरचना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. जैसे थाने कितने प्रकार के होते हैँ पुलिस पेट्रोलिंग का क्या होती है 'डिजिटल अरेस्ट' के बारे में बताया आस पास हो रहे अपराधों को देखकर चुप न रहै पुलिस को सूचित करें। इसके पश्चात जिज्ञासु छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक सवाल किए जिनका उत्तर पुलिस अधिकारियों ने बड़े ही सरल व प्रभावशाली ढंग से दिया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल आज विभिन्न कार्यक्रमों में षामिल होंगे

सतना प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रवास के तीसरे दिन 18 अप्रैल को प्रातः 10.30 बजे विकासखण्ड मझगवां में मंदाकिनी नदी उद्म स्थल भटवां ग्राम पंचायत तथा दोपहर 12 बजे नागौद में अमरन नदी उद्गम के स्थल (झिगोदर) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पूजन एवं जन चर्चा कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंत्री श्री पटेल दोपहर 1.45 बजे उचेहरा पहुंचकर अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम और दोपहर 3 बजे मैहर जिले के एकलव्य छात्रावास में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में सम्मिलित होंगे।

तदुपरांत मंत्री श्री पटेल सायं 5.30 बजे मैहर में मां शारदा देवी के दर्शन एवं पूजन करेंगे और सायं 6 बजे कार द्वारा मैहर से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना

सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को नरवाई प्रबंधन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया।

यह जागरुकता रथ जिले के विभिन्न अंचलों में जाकर कृषकों को नरवाई में आग लगाने की कुप्रथा पर नियंत्रण के लिए जागरुक करेगा। जिले के सभी विकासखंड मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न कृषक संगोष्ठी, प्रशिक्षण एवं कृषि अभियांत्रिकी द्वारा चयनित यंत्रदूत ग्राम इत्यादि के कृषक बंधुओं को जागरुकता रथ के माध्यम से नरवाई में आग लगाने से होने वाले नुकसान के संबंध में अवगत कराया जायेगा। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों में फसल अवशेष (नरवाई) नहीं जलायें, बल्कि स्ट्रारीपर से भूसा बनाये या नरवाई का अन्य कार्यों में प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से अग्नि दुर्घटनायें होती है और ऐसी घटनायें कारित होने पर आर्थिक दण्ड के प्रावधान भी किये गये हैं।

इस मौके पर उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप सहित कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिपोर्टिंग स्टेटस 25 प्रतिषत होने पर 2 मेडीकल आफीसर को नोटिस

संबंधित फार्माषिश्ट का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देष

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य और महिला बाल विकास की बैठक

सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान आईडीएसपी कार्यक्रम के लैब कम्पोनेन्ट में रिपोर्टिंग स्टेटस अत्यंत कम 25 प्रतिशत पाये जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केद्र कोठी के अंतर्गत 2 मेडीकल आफीसर को नोटिस जारी करने और संबंधित फार्माशिष्ट कोठी का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिये हैं। गुरूवार को कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय आरख, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल, आरएमओ डॉ शरद दुबे, डॉ. विजेयता सहित डीपीएम राकेश कुमार कर्ष, बीएमओ, बीपीएम, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह एवं सभी परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास भी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने जिले के ऐसे उप स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी ली जहां एएनएम पदस्थ नहीं है। सीएमएचओ ने बताया कि जिले में कुल 450 से भी अधिक एएनएम पदस्थ है। ऐसे 49 उप स्वास्थ्य केन्द्र है। जहां एएनएम पदस्थ नहीं है। कुल 312 उप स्वास्थ्य केन्द्र जिले में स्थापित है। कलेक्टर ने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र की संख्या के मान से ए.एन.एम की पर्याप्त उपलब्धता है।

गणेश स्कूल चुरहट में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस

सीधी। जिले के चुरहट तहसील स्थित श्री गणेश स्कूल ऑफ एक्सीलेंस अमरपुर में गुरुवार को विश्व धरोहर दिवस की पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र.छात्राओं के बीच चित्रकलाए गायनए नृत्य और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाए जिसमे बच्चों ने ब? उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षक. शिक्षिकाओं ने बच्चों को पुरातत्व व ऐतिहासिक धरोहरों को संजो कर रखने की सलाह दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिकए धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के सुरक्षित रख रखाव का संकल्प ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के संचालक नीरज शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। श्री शर्मा ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को भारत में स्थापित विश्व धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से निश्चित रूप से विद्यार्थी विश्व की प्राचीनतम संस्कृति से अवगत हो पाएंगे एवं आयोजित प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास होगा। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षक. शिक्षिकाओं और छात्रों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी और कहा कि स्कूल द्वारा ऐसे समागम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

विद्यालय के प्राचार्य अवधेश शुक्ल ने कहा विश्व धरोहर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के महत्व के बारे में जागरूक करना है। प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम में शामिल समस्त शिक्षक साथियोंए कर्मचारियों एवं छात्रों के प्रति आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन केके मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकपूर चितेरा कला शिक्षकए अवतार कृष्ण संगीत शिक्षक और अंकिता सेन नृत्य शिक्षिका ने विशेष भूमिका निभाई। इस अवसर पर राहुल त्रिपाठीए पूर्णिमा सिंहए ब्रिजेश सिंहए सोनाली तिवारीए शेजल पाण्डेयए दीक्षा सिंह एवं प्रेरणा तिवारी सहित समस्त स्टाफव विद्यार्थी उपस्थित थे।

निर्धारित 10 प्रतिशत से अधिक दर से फीस वृद्धि करने पर विद्यालयों पर होगी नियमानुसार कार्यवाही :कलेक्टर

कलेक्टर के अध्यक्षता में हुई अशासकीय शालाओं के संचालन की समीक्षा बैठक आयोजित

सिंगरौली कीर्ति प्रभा कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अशासकीय शालाओं के संचालन एवं आरटीई नियमो के परिपालन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान विद्यालयों के भौतिक संरचनाए विद्यालय शुल्कए गणवेश एवं पाठ्य् पुस्तक रेट शिक्षा पोर्टल 3०0 में मैपिंग की विस्तार से जानकारी ली गई।

बैठक में उपस्थित विद्यालयों के प्राचार्यो को कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिया गया कि विद्यालयों में शासन द्वारा निर्धारित आरटीई गाईड लाईन का शत प्रतिशत पालन किया जायें। कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिया कि विद्यालयों में दिव्यांग छात्रो के लिए अनिवार्य रूप शौचालय का निर्माण कराया जाने के साथ शौचालय तक पहुचने के लिए सुगम आवागन की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए कि आरटीई नॉर्मस के आधार पर विद्यालयों में भौतिक संरचनाए नही पाए जाने पर संबंधित विद्यालय की मान्यता रद्द करने की कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने कहा कि छात्रो को मूलभूत सुविधाए उपलंब्ध कराना विद्यालय की जिम्मेदारी हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के छात्रो की परिक्षाएं नही ली जायेंगी इसका विद्यालय शत प्रतिशत पालन करे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 5 वी एवं 8 वी के अतिरिक्त अन्य कक्षांओ में विद्यालय बाधा रहित कक्षोन्नति प्रदान करे।उन्होंने कहा कि शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि विद्यालय में प?ने वाले किसी भी छात्रो को शारिरिक एवं मानसिक रूप से दण्ड नही दिया जाये। साथ ही निर्देश दिए कि सभी विद्यालय छात्रो की शत प्रतिशत अपार आईडी बनाया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित प्राचार्यो व प्रबंधको को निर्देश दिए कि अगर कोई छात्र विद्यालय शुल्क जमा नही कर पा रहा है तो छात्र को शुल्क के आभाव में मानसिक प्रताडित नही किया जाये ।

कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए पानी के सकोरों की व्यवस्था की गई

सीधी मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से सम्बध्द रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए पानी हेतु सकोरे वृक्षों पर टागे गए। सकोरों में पानी डाल कर शुभारम्भ कृष्णकांत द्विवेदी साशी निकाय सदस्य मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, डॉ अजय मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता एवं संचालक ज्योत्सना ग्रुप सीधी, पंकज पांडे, जितेंद्र गुप्ता, शिवदत्त उर्मलिया जिला समन्वयक द्वारा किया गया। सकोरे की व्यवस्था होने से बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझेगी और उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जिला समन्वयक मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद शिवदत्त उर्मलिया ने कहा कि गर्मियों के मौसम में घर के बाहर, छत पर या बालकनी में पक्षियों के लिए पानी जरूर रखें।

भीषण गर्मी में मनुष्य की तरह पक्षियों को भी पानी की अधिक आवश्यकता होती है। गर्मियों में वन्यजीव, पक्षी भी पानी के लिए बेहाल रहते हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबंध रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के द्वारा सकोरे की व्यवस्था पक्षियों के लिए की गई। पर्यावरण संतुलन में पक्षियों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। यह हमारे मित्र हैं जो हमें प्रकृति आपदाओं के समय हमें स्पर्म आवाजों एवं अन्य क्रियाकलापों से आगाह कर देते हैं ।

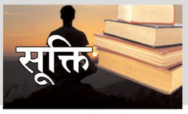

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है।

- कथा सरित्सागर

सुप्रीम कोर्ट पहुंची हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई

केंद्र सरकार द्वारा जो वक्फ अधिनियम 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित किया गया है इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है। यह लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई अब आर-पार की स्थिति में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को लेकर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मुख्य न्यायाधीश और दो जजों की खंडपीठ मे शुरू हो गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी कर सकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल में जिस तरह के प्रावधान किए हैं उससे स्पष्ट हो गया है, केंद्र सरकार मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। उनकी दान की हुई संपत्ति पर सरकार हक जताना चाहती है। वक्फ संपत्ति पर सरकार अपने हिसाब से नियंत्रण करना चाहती है। मुसलमानो के धार्मिक क्रिया-कलापों पर शासन हस्तक्षेप कर मुसलमानो पर अंकुश लगाना चाहती है। यह संशोधन से स्पष्ट है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देशभर के मुसलमानों के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यक सामुदायों में भी हो रही है। पिछले 11 वर्षों से मुसलमानो के साथ में जो भेदभाव केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किया जा रहा है, वक्फ अधिनियम के रूप में वह सामने आ गया है। अभी तक मुसलमान कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। वह किसी भी किस्म का विरोध नहीं कर रहे थे। इस अधिनियम ने उन सब को एकजुट करके लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की नियुक्ति की जा रही है। क्या ऐसी ही नियुक्ति अन्य गैर मुस्लिम बोर्ड में की जा सकती है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बोर्ड में गैर हिंदुओं की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। 13 वीं, 14वीं शताब्दी और सैकड़ो वर्ष पुरानी मस्जिदें और धार्मिक स्थल हैं उसके रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में जवाब नहीं दे पाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को तथा सभी नागरिकों को अपने धर्म को पालन करने की जो स्वतंत्रता दी गई है। नागरिक अधिकार भी इस संसोधन में बाधित हो रहे हैं। 5 साल का प्रैक्टिशनर मुसलमान ही वक्फ मे दान कर सकता है। इस तरह के सवालों का जवाब सालिस्टर जनरल सुप्रीम कोर्ट में नहीं दे पाए। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका के ऊपर यह आरोप लगते रहे हैं, वह सरकार के दबाव पर काम करती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को कसौटी पर कसा जाना है। संविधान में बिना संशोधन किए हुए जिस तरह से वक्फ बिल के द्वारा करोड़ों मुसलमानो के धार्मिक क्रियाकलाप और इबादत करने को लेकर सरकार जो हस्तक्षेप कर रही है उस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या निर्णय करती है। यह महत्वपूर्ण हो गया है। निश्चित रूप से संविधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट निर्णय देने में आनाकानी करती है। ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा की संवैधानिक व्यवस्था की आड़ में असंवैधानिक कार्यों को न्यायपालिका संरक्षित और बढ़ावा देने का काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में इस बार विपक्ष के राजनीतिक दलों, 6 राज्य सरकारों तथा मुस्लिम संगठनों के साथ ही साथ अन्य समुदाय के लोगों व संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। भारत में हिंदू-मुसलमानो के बीच आर-पार की लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय मुसलमानो को संविधान पर भरोसा था। धार्मिक स्वतंत्रता थी। जिस तरह का हस्तक्षेप कानून की आड़ में किया जा रहा है इसे कोई जिंदा कौम स्वीकार नहीं कर सकती है। भारत में अभी मुस्लिम भेड़ की तरह नहीं हांके जा सकते हैं। इतना तय है। सरकार विपक्षी दलों को भी इसी तरीके से दबाने का काम कर रही है। इस मामले में अब विपक्षी दल भी खुलकर सामने आ गए हैं। वह भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट यदि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संविधान के अनुसार न्याय देने में सक्षम हुई तो इससे न्यायपालिका के प्रति जो लोगों में अविश्वास बढ़ रहा था, वह अविश्वास खत्म होगा। न्यायपालिका और संविधान के प्रति एक बार फिर सभी का विश्वास जागृत होगा। ऐसी आशा सुप्रीम कोर्ट से की जा सकती है।

डिग्री नहीं, दक्षता चाहिए- नई अर्थव्यवस्था की नई ज़रूरतें

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है—यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक ज़रूरतों के मुताबिक तैयार करें। परंतु अफसोस, हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए—इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है।

रोज़गार की हकीकत और शिक्षा की असंगति

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9त्न स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशलों से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25त्न इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है — सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की ज़रूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डेटा-संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-प्रेरित, नवाचार-प्रधान उद्योग की ज़रूरतों से मेल नहीं खाता।

बदलते उद्योग, अपरिवर्तित पाठ्यक्रम

आज की नौकरियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में ज़रूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, ढ्ढढ्ढञ्ज हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.टेक प्रोग्राम शुरू किया है — यह एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, वे न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं।

समाधान की राह- पाठ्यक्रम और पेशे का संरेखण

इस संकट का समाधान केवल एक तरफ़ा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग—तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोज़र दिया जाए ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में उद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेश- केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना चाहिए। कंपनियाँ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें — जैसा कि मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण और प्रेरणा

भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए। जर्मनी का ड्यूल एजुकेशन सिस्टम एक शानदार उदाहरण है, जहाँ सिद्धांत और व्यवहार का समन्वय छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करता है। इसी प्रकार, अमेरिका में सामुदायिक कॉलेजेज़ और स्टार्टअप एक्सेलरेटर शिक्षा को उद्योग से जोड़ते हैं। सिंगापुर जैसे देश में हर तीन साल में कौशल समीक्षा होती है और शिक्षा उद्योग के सहयोग से चलती है। भारत को भी एक ऐसा ही डायनामिक करिकुलम फ्रेमवर्क अपनाने की ज़रूरत है।

चुनौतियाँ और सावधानियाँ

हालांकि इस दिशा में कदम उठाने के अपने खतरे भी हैं। यदि हम शिक्षा को केवल उद्योग की आवश्यकता तक सीमित कर दें, तो हम भविष्य के नागरिक नहीं, केवल कर्मचारी तैयार करेंगे। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति हो सकती है। अत्यधिक व्यावसायिकता छात्रों की रचनात्मकता और नैतिक सोच को कुंद कर सकती है। साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र जैसे विषयों को अगर गैर-उपयोगी मानकर नज़रअंदाज़ किया गया, तो शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगी।

लगातार पाठ्यक्रमों में बदलाव, तकनीकी उन्नयन और उद्योग सहभागिता विश्वविद्यालयों के लिए महंगा साबित हो सकता है, जिससे ग्रामीण और वंचित तबकों की पहुंच सीमित हो सकती है।

राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता

भारत सरकार ने च्स्किल इंडियाज्, च्डिजिटल इंडियाज्, च्मेक इन इंडियाज्, और च्आत्मनिर्भर भारतज् जैसी योजनाएँ चलाई हैं। इन अभियानों की सफलता तभी संभव है जब उच्च शिक्षा प्रणाली कुशल, समावेशी और उद्यमशील मानव संसाधन तैयार करे। यह तभी होगा जब विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग की ज़रूरतों से जोड़ने की रणनीति राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं — जैसे लचीलापन, मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण, और स्किल आधारित शिक्षा की बात। लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन सुधारों को पूरी तरह लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत समन्वय की आवश्यकता है।

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

2025 बीजिंग इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन भारत की ग्रामीण महिलाओं को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है। सीमित संसाधनों, पारंपरिक सामाजिक भूमिकाओं और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के चलते वे जलवायु जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। गर्मी, सूखा, और चरम मौसम उनके प्रजनन स्वास्थ्य, कृषि आधारित आजीविका, और नौकरी के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। आदिवासी और दलित महिलाओं को जाति आधारित बहिष्कार के कारण दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि प्रभावी जलवायु अनुकूलन के लिए लैंगिक-उत्तरदायी नीतियों, लिंग-विभाजित डेटा संग्रह, स्वास्थ्य अवसंरचना के सशक्तीकरण, और महिला नेतृत्व वाले स्थानीय निर्णय तंत्रों की आवश्यकता है। महिलाओं को न केवल पीड़ित के रूप में, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में भी पहचाना जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में लैंगिक दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाना न केवल सामाजिक न्याय को मजबूत करता है, बल्कि एसडीजी-13 (जलवायु कार्रवाई) और एसडीजी-5 (लैंगिक समानता) के लक्ष्यों को भी साधता है।

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे – विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों – को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई जेंडर न्यूट्रल आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है – कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर एक हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव, और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य सी समस्याएं बनती जा रही हैं – और इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है – तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज़ का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा।

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि पंचमी, शुक्रवासरे मूल नक्षत्रे, वलयोगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, लघु वृक्ष रोपण, वधू प्रवेश, द्विरागमन व्यापार मुहूर्त, गृह प्रवेश, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, आत्मवृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री-शरीर कष्ट, मानसिक बैचेनी अवश्य होगी।

वृष राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सुख होगा, कार्यगति विशेष अनुकूल अवश्य होगी।

मिथुन राशि :- भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति के बाद तनाव, क्लेश व अशांति अवश्य होगी, ध्यान रखें।

कर्क राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, भाग्य साथ दे, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- परिश्रम सफल हो, व्यवसाय गति मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य होगी।

कन्या राशि :- कार्य-व्यवसाय गति मंद, व्यर्थ परिश्रम, कार्य में बाधा के योग बनेंगे।

तुला राशि :- किसी दुर्घटना से बचें, चोटादि का भय होगा, कार्य-व्यवसाय अनुकूल बनेगा।

वृश्चिक राशि :- कार्यगति अनुकूल रहे, लाभ वित्त कार्ययोजना बनेगी तथा बाधा अवश्य होगी।

धनु राशि :- कुछ प्रतिष्ठ के साधन बनेंगे किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति, कार्य अवरोध होगा।

कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें, योजना पूर्ण हो तथा नया कार्य अवश्य प्रारंभ होगा।

मीन राशि :- दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब से सुख, समय उत्तम बनेगा।

देश के दिल मध्यप्रदेश की वैभव हैं पुरा समपदा

(18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस पर विशेष)

देश के हृदय में बसा है मध्यप्रदेश। यहाँ की सांस्कृतिक, सामाजिक तथा पुरातत्वीय पृष्ठभूमि गौरवशाली है। प्राचीन धरोहर विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। देश में यह अपनी तरह का इकलौता प्रदेश है जहाँ घने वन झूमते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, वहीं दूसरी तरफ मंडला से झाबुआ तक पुरा महत्व की इमारतें लोगों को मोहित करती हैं। हमारे लिये गौरव की बात है कि विश्व की अमूल्य पुरातत्व धरोहरों में भारत के जो सोलह स्मारक हैं उनमें से दो साँची और खजुराहो मध्यप्रदेश में हैं। अपने गौरवशाली अतीत को दर्शाते हुए यह स्मारक विश्व भर में अपनी पहचान बना चुकें हैं। यहाँ बता दें कि विदेशी पर्यटकों के आर्कषण के प्रमुख केन्द्र बिन्दु खजुराहों के कलात्मक मंदिर और धार्मिक स्थल ओरछा हैं। खजुराहो एक ऐसा दार्शनिक स्थल है जो विदेशी पर्यटकों में निरंतर लोकप्रिय हो रहा है। खजुराहो के संरक्षण तथा विकास के लिए सर्वप्रथम सन् 1904 में काम शुरू हुआ था। खजुराहो के मंदिरों की खोज, जीर्णोद्धार, संरक्षण आदि के लिए सन् 1927 तक काम चला। अनेक मंदिर जो टूट-फूटकर नष्ट हो चुके थे, सैकड़ों मूर्तियाँ जमीन में दबी हुयीं बिखरी थीं, उन्हें पुरातत्ववेत्ताओं ने व्यवस्थित कर पुनः मंदिरों में स्थापित कर दिया। इसके बाद खजुराहो सन् 1953 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का केन्द्र बन गया और विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त कर ली।

खजुराहो की ही तरह साँची भी पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से प्रमुखता पा चुका है। साँची एक ऐसा प्राचीन और दार्शनिक स्थल है जिसके कारण विश्व के कई देशों में मध्यप्रदेश को पहचान मिली और इसे देखने पर्यटक यहाँ आये। साँची के बौद्ध स्तूप विशेषतः दर्शनीय हैं। पर्यटक इन्हें देखकर उत्साहित होते हैं तथा इनके चित्र यादगार के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। साँची के बौद्ध स्तूपों की देखरेख प्रमुखता से की जाती है तथा प्रयास किया जाता है कि देश तथा विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। खजुराहो और सांची के बाद विदेशी पर्यटकों की पसंद ओरछा है। पर्यटन और तीर्थ स्थल ओरछा एक छोटा सा गांव है परन्तु उसकी ऐतिहासिक कीर्ति किवदंतियों का कोई ओर छोर नहीं है। चार शताब्दियों तक ओरछा के प्रतापी राजवंश का डंका मध्य भारत में बजता रहा था। शक्ति, संपदा, कला और गरिमामय वैभवशाली स्वरुप लिये हुए यह नगर इतिहास की करवट से खंडहरों में बदल गया था। लेकिन वही ओरछा आज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि शेष बचे महल और मंदिर अपने इतिहास, कला और शिल्प सौंदर्य से दर्शनों के लिये मौजूद हैं।

अपने गौरवशाली अतीत को उजागर करने वाला मंदसौर जिले में एक स्थान है हिंगलाजगढ़। यहाँ का पुरातात्विक वैभव लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंगलाजगढ़ में परमारकालीन शिल्प कलाकृतियों का अद्भुत सौंदर्यशाली खजाना बिखरा पड़ा था। यहाँ के अवशेषों पर कलात्मक मूर्तियों के विशाल भण्डार से यह स्पष्ट है कि कभी यह वैभवशाली नगर रहा होगा। कला का इतना विशाल खजाना शताब्दियों तक घने जंगलों के बीच छिपा रहा और सन् 1978 में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के प्रयासों से इन्हें खोज निकाला गया। तब से ही इन्हें संरक्षित तथा सुरक्षित रखा गया है। पुरातत्व विभाग द्वारा गहन पुरातत्वीय सर्वेक्षण कर समय-समय पर दुर्लभ, अज्ञात ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों की नवीन खोजें की जाती रही हैं। इसी श्रृंखला में शिवपुरी जिले के पिपरोदा गांव में विष्णु देव और शिव मंदिर तथा राजपुर गांव के बौद्ध स्तूप कठियामठ को संरक्षित कर उसके रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। खोज से पता चला है कि यह मंदिर 9वीं शतीं ई में प्रतिहार काल में बनाये गये थे। विष्णु एवं शिव मंदिरों के सिरदल भाग के ऊपर उकेरे गए ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव से स्पष्ट हो जाता है कि यह मंदिर किस देव को समर्पित किया गया है। मंदिरों के सम्मुख मण्डप अंतराल सिरदल एवं गर्भगृह हैं, जिसमें कोई प्रतिमा स्थापित नहीं है। मंदिर सादा स्तम्भों पर आधारित चोकोर एक ही प्रस्तर की छत से ढंका है। मंदिर में प्रवेश के लिये जाने पर दांये-बांये नदी देवियों गंगा एवं यमुना का अंकन है। समूह में निर्मित विष्णु एवं शिव मंदिरों को सूक्ष्म दृष्टि से देखने पर ज्ञात होता है कि पूर्व में भी मानव एक दूसरे के धर्मों के समावेश में विश्वास रखते थे।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश में अपार पुरातत्व संपदा है। स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश की स्थापना के समय पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग को पुरातत्वीय धरोहरों के संरक्षण के लिए सिर्फ छह संग्रहालय ही मिले थे, आज इनकी संख्या तीन गुना से भी अधिक है। इनकी देखरेख तथा सुरक्षा का जिम्मा सरकार का तो है ही, साथ ही आम नागरिक का भी दायित्व बनता है कि वह इन बहुमूल्य कलाकृतियों को संरक्षित रखे। प्राचीन मूर्तियों और एंटीक्विटी को तस्करी के जरिये बाहर भेजने और मालामाल होने का कारोबार खूब फल फूल रहा है, इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है किन्तु राज्य शासन की सजगता से तस्करों में हड़कम्प मचा रहता है। इस सबके बावजूद इन पर अंकुश लगाकर प्रशासन को मुस्तैद करना जरूरी है। ऐसा नहीं किया गया तो हम धीरे-धीरे अपनी पुरातत्व संपदा को खोते जाएंगे और भारत में बनी तथा भारतीयों द्वारा अब तक न देखी गयी सैंकड़ों मूर्तियाँ सदा-सदा के लिए हमारे देश से चली जाएंगी। देशी बाजार में खजुराहो की जो मूर्ति पाँच से दस लाख रुपये में बिकती है वह विदेशों में चार-पाँच गुना महंगी बिकती है। प्राचीन मूर्तियों की चोरी सबसे ज्यादा राजस्थान और फिर मध्यप्रदेश में हो रही है। एक तरफ जहाँ पुरातात्विक दृष्टि से देश का सबसे सम्पन्न सांस्कृतिक और समृद्धशाली राज्य होने का गौरव मध्यप्रदेश को प्राप्त है वहीं दूसरी तरफ उपेक्षा का सिलसिला थमता नहीं है। इसे यदि समय रहते नहीं रोक लिया जाता तो आने वाले समय में हम अपनी पुरातत्व संपदा को खो देंगे। साथ ही प्राचीन मूर्तियों की सुरक्षा तथा स्मारकों के रखरखाव पर उचित ध्यान दिया जाए तो मध्यप्रदेश आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और मध्यप्रदेश के राजस्व में वृद्धि होने के साथ साथ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा। मध्यप्रदेश संभावनाओं का प्रदेश है क्योंकि यहाँ भारत का दिल धड़कता है।

फिल्म वर्ग पहेली- 6816

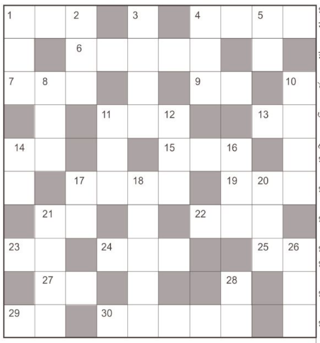

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 6815

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्कूल में छात्र ने की गोलीबारी, चार घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के डलास में विलमर-हंचिंग हाई स्कूल में एक छात्र (17 वर्षीय) ने मंगलवार को गोलीबारी की। जिसमें चार छात्र घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्र ने एक असुरक्षित दरवाजे से स्कूल में प्रवेश किया और फिर छात्रों के एक समूह की ओर बढ़ते हुए गोलीबारी की।

उड़ान भरते समय विमान में लगी आग, कराना पड़ी आपात लैंडिंग

वॉशिंगटन। अमेरिका के डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय एक विमान के इंजन में आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, विमान किसी जानवर से टकरा गया था, जिससे इंजन में आग लगी और पायलट को आपात लैंडिंग करनी पड़ी। बोइंग 737-800 विमान में 153 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे।

डब्ल्यूटीओ का अनुमान- 2025 में घटेगा वैश्विक व्यापार

वॉशिंगटन। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने अनुमान जताया है कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ युद्ध के कारण 2025 में वैश्विक वस्तु व्यापार (मर्चेंडाइज ट्रेड) में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। डब्ल्यूटीओ ने चेतावनी दी है कि अगर दोनों देशों के बीच टैरिफ बढ़ाने का सिलसिला और अनिश्चित व्यापार नीतियां जारी रहीं, तो व्यापार में 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट हो सकती है।

म्यांमा में नववर्ष थिंगयान के मौके पर 4,900 कैदियों को रिहा किया गया

नेपीडॉ। म्यांमा की सैन्य सरकार ने देश के पारंपरिक नववर्ष थिंगयान के मौके पर करीब 4,900 कैदियों को रिहा करने की घोषणा की है। यह जानकारी सरकारी मीडिया के हवाले से सामने आई। बताया गया कि सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग द्वारा घोषित आम माफी के तहत 4,893 कैदियों को माफ किया गया है।

रूस ने किया हमला- खेरसान में एक की मौत, नौ घायल

कीव। रुस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है। लोग मारे जा रहे हैं और शांति के प्रयास लगातार असफल होते जा रहे हैं। यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसान पर बुधवार को रूस ने ग्लाइड बम और तोपों से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारी ओलेक्सांद्र प्रोकोडिन ने बताया कि सुबह पहले रूस ने बमबारी की और जब बचाव दल मौके पर पहुंचे, तो रूसी सेना ने दोबारा तोपों से हमला कर दिया।

कैदी की मौत को लेकर 10 जेल कर्मियों पर प्रकरण दर्ज

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक जेल में 22 वर्षीय कैदी की मौत को लेकर 10 जेल सुरक्षा कर्मियों पर मामला दर्ज किया गया है। सिक्योरिटी गार्ड पर हत्या का आरोप लगाया गया है। दूसरी बार है जब कैदी की मौत को लेकर जेल कर्मियों पर हत्या का मुकदमा चला है।

रूस-चीन की साजिश बेनकाब! यूक्रेन ने दुनिया को दिखाए चीनी सैनिक

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के युद्ध में यूक्रेन ने चीनी नागरिकों को पकड़ा था। इससे सवाल उठने लगा कि क्या चीन चुपके से रूस के साथ मिलकर यूक्रेन को तबाह करने में लगा है? यूक्रेन ने दुनिया को चौंकाते हुए चीनी सैनिकों की मीडिया के सामने परेड कराई गई। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन है, लेकिन यूक्रेन ने चीन को झूठा साबित करने के लिए यह जोखिम उठाया है। चीन इससे भड़क गया है। उसने कहा है कि न तो उसने युद्ध शुरू किया और न ही उसमें भागीदार है। उसने यूक्रेन को गैर-जिम्मेदार बयान देने से बचने को कहा। दूसरी ओर यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस ऊर्जा ढांचे पर हमले कर रहा है। जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश यूक्रेन के साथ खड़े हो रहे हैं।

यूक्रेन ने चीन को करारा जवाब देते हुए दो चीनी युद्धबंदियों को दुनिया के सामने लाकर खड़ा कर दिया। ये लोग रूसी सेना के साथ मिलकर यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे थे। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हाल ही में दावा किया कि 155 चीनी नागरिक रूस की ओर से युद्ध में शामिल हैं। बीजिंग ने इसे झूठ बताकर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन यूक्रेन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन युद्धबंदियों को पेश कर चीन के दावे की हवा निकाल दी। ज़ेलेंस्की ने गुस्से में कहा था कि रूस, चीन को इस युद्ध में घसीट रहा है। चीन पर भड़कते हुए उन्होंने कहा कि बीजिंग चुपचाप अपने लोगों को रूसी सेना में भर्ती होने दे रहा है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, लेकिन यूक्रेन ने चीन को गलत साबित करने के लिए यह जोखिम उठाया ताकि दुनिया को सच पता चले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक युद्धबंदी ने बताया कि कोविड-19 में नौकरी चली जाने के बाद उसे रूस में हर महीने 2.5 लाख रूबल (करीब 3,000 डॉलर) की कमाई का लालच दिया गया। चीन में जितना कमाता ये उससे दोगुना था। उसे मेडिकल काम का वादा किया गया, लेकिन मॉस्को पहुंचते ही युद्ध प्रशिक्षण देकर हथियार थमा दिए गए। दोनों युद्धबंदियों ने कहा कि वे रूसी भाषा नहीं समझते थे और इशारों में बात करते थे। रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं। 16 अप्रैल की रात ड्निप्रो में हुए ड्रोन हमले में एक युवा लड़की और एक बुजुर्ग महिला की जान चली गई। 28 लोग घायल हुए, जिनमें 9 महीने, 6 साल और 11 साल के बच्चे भी शामिल हैं। हमले के कारण स्कूल, घर और कारें जलकर खाक हो गईं।

जनरल मुनीर ने बलूच अलगाववादी समूहों को आतंकवादी बताया, जमकर भड़के लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने भारत और भारतीय सेना के खिलाफ जहरीली बयानबाजी की है। पाकिस्तान में प्रवासियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल मुनीर ने बलूचिस्तान का जिक्र किया तो भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला।

बलूचिस्तान का नाम लेते ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख की तिलमिलाहट खुलकर सामने आ गई। इस दौरान जनरल मुनीर किसी देश की सेना के प्रमुख नहीं बल्कि किसी चरमपंथी संगठन के मुखिया की तरह भाषण देते नजर आए। उनके भाषण के दौरान स्टेज के नीचे धार्मिक नारे लगते रहे।बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह का जिक्र करते हुए जनरल मुनीर ने बलूच अलगाववादी समूहों को आतंकवादी बताया। जनरल मुनीर ने कहा, देश में जो थोड़ा बहुत आतंकवाद है, उसे लेकर लोग कह रहे हैं और वे दुष्प्रचार कर रहे हैं कि इस स्थिति में पाकिस्तान में एक भी निवेश नहीं आएगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं और वे मुझे साफ सुन लें- क्या वे सोचते हैं कि ये आतंकवादी देश का भविष्य हमसे छीन सकते हैं? हालांकि, इस दौरान जनरल मुनीर के चेहरे पर आ रहे हाव भाव उनकी घबराहट को साफ बता रहे थे।

जनरल मुनीर ने आगे भारत की ताकत का जिक्र किया और कहा, अगर 13 लाख की भारतीय सेना अपनी ताकत के साथ ग्रेट पाकिस्तानी आर्मी को डरा नहीं सकी तो क्या ये आतंकवादी पाकिस्तान सेना को हरा सकते हैं। बलूचिस्तान को पाकिस्तान का भाग्य बताते हुए आसिम मुनीर ने कहा, बलूचिस्तान पाकिस्तान के माथे का झूमर है। तुम्हारी अगली 10 नस्लें भी इसे नहीं ले जा पाएंगी। पाकिस्तान आर्मी चीफ ने इसके बाद बलूचिस्तान में सीधा खून बहाने की धमकी दी और कहा कि इंशाअल्लाह आप देखेंगे कि हम बहुत जल्द ही इन आतंकवादियों का खून बहाएंगे। इस दौरान जनरल मुनीर ने द्विराष्ट्र सिद्धांत को सही ठहराते हुए पाकिस्तान के बनने की कहानी भी बताई और मुसलमानों को उमहाद्वीप के हिंदुओं से अलग बताया।

मौसम ने बरसाया 35 मिनट कहर- ओले, बाढ़ और आंधी ने उजाड़ा इस्लामाबाद

इस्लामबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को अचानक आई भयानक ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई। 35 मिनट की आंधी और ओले ने इस्लामाबाद को तहस-नहस कर दिया। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर, सोलर पैनल बर्बाद, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में बाढ़ ने कोहराम मचा दिया। अचानक हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, जिससे सड़कें और घर डूब गए। तारनोल इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा जहां उखड़े पेड़ों ने रास्ते बंद कर दिए। इस बारिश ने गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफिस ने कहा, हमारी टीमें सड़कों पर हैं, पानी निकासी का काम जारी है। नुकसान का आकलन हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात बहाल किया जा रहा है। अप्रैल में जहां दक्षिणी पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं इस्लामाबाद में यह बारिश कुछ राहत लेकर आई। लेकिन यह राहत महंगी साबित हुई। पाकिस्तान मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से 20 अप्रैल तक इस्लामाबाद, रावलपिंडी और अन्य उत्तरी इलाकों में बारिश, आंधी और तूफान का दौर जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, मरी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में आग का खतरा बढ़ेगा। मई-जून में अरब सागर में चक्रवात बन सकते हैं, जो तटीय इलाकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।यह कोई साधारण बारिश नहीं थी, बल्कि सीधे तौर पर प्रकृति का गुस्सा था, जो जलवायु परिवर्तन की चेतावनी दे रहा है। इस्लामाबाद में अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। 35 मिनट तक आसमान से टेनिस बॉल के आकार के ओले बरसते रहे। इसने सब कुछ तहस-नहस कर दिया।सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिसमें दिख रहा है कि दर्जनों गाड़ियां ओले की मार से बर्बाद हो चुकी हैं। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने घरों और गाड़ियों को देख कर सिर पर हाथ रख लिया। खैबर पख्तूनख्वा में भी बाढ़ ने हालात बिगाड़ दिए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है, हम लंडीकोटल, मरदान और अन्य जिलों में बाढ़ से निपटने को तैयार हैं। फसलों को हुए नुकसान की अभी कोई पक्की खबर नहीं, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ रही है।

ईरान के पास वह सभी चीजें मौजूद, वह किसी भी वक्त बना सकता है परमाणु बम

आईएईए महानिदेशक ग्रॉसी ने दी चेतावनी, अमेरिका, सऊदी अरब हुए बैचेन

वाशिंगटन। ईरानी की चेतावनी के आगे अमेरिका की चल नहीं पा रही है वह ईरान के परमाणु प्रोग्राम को लेकर बौखलाया हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार उसे घेरे की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ईरान अपनी बात पर अड़ा है। इस बीच अंतर्राष्टीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने चेतावनी दी है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। ग्रॉसी इस समय ईरान दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी वक्त परमाणु बम बना सकता है।

ईरान के पास किसी सभी टुकड़े मौजूद हैं और वह किसी भी वक्त इन टुकड़ों को जोड़कर परमाणु बम तैयार कर सकता है। बता दें कि जिस तरह से जिग्वास पुज्जले में कई छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर एक पूरा चित्र या डिजाइन बनाया जाता है। ठीक उसी तरह ईरान के पास परमाणु बम बनाने की सभी कड़ियां मौजूद हैं और वह किसी भी वक्त उन कड़ियों को जोड़कर परमाणु बम लेगा। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान को हल्के में नहीं लेना चाहिए। 2015 में ईरान परमाणु डील के टूटने के बाद ईरान ने दोबारा अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को तेज कर दिया है। ईरान लंबे समय से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अमेरिकी के प्रतिबंधों की वजह से उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान के साथ कोई भी परमाणु समझौता बिना आईएईए की भागीदारी के केवल एक कागज के टुकड़े की तरह ही होगा। वहीं, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका बहुत चिंतित है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकता है। अगर ईरान परमाणु हथियार बना लेता है, तो यह मिडिल ईस्ट में हथियारों की दौड़ को बढ़ावा दे सकता है क्योंकि अन्य देश भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करेंगे। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सऊदी अरब ने कई मौकों पर चिंता जताई है और साफ कहा है कि अगर ईरान परमाणु हथियार बनाता है, तो सऊदी अरब भी परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में कदम उठाएगा।

अमेरिका में भारतीय मूल का डॉक्टर नियंत्रित दवा वितरण की साजिश में दोषी

- नियंत्रित दवाओं के अवैध वितरण और हेल्थकेयर फ्रॉड में भाग लेने का आरोप

न्यूयॉर्क । अमेरिका में भारतीय मूल के डॉक्टर नील आनंद को 2.3 मिलियन डॉलर की साजिश के तहत नियंत्रित दवाओं के अवैध वितरण और हेल्थकेयर फ्रॉड में भाग लेने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। यह जनकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने दी। 48 वर्षीय नील आनंद को पेंसिल्वेनिया की एक संघीय अदालत ने दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आनंद ने ऑक्सीकोडोन नामक दर्द निवारक और अत्यधिक नशे की लत लगाने वाली नियंत्रित दवा के लिए प्री-साइन्ड प्रिस्क्रिप्शन (पूर्व हस्ताक्षरित नुस्खा) जारी किए। इन नुस्खों का उपयोग उसके इंटर्न्स ने किया, केवल नौ मरीजों को ट्रीट करने में 20,850 टैबलेट का उपयोग किया गया। न्याय विभाग ने कहा ?कि ऑक्सीकोडोन एक ओपिओइड दर्द निवारक है जिसका उपयोग नशे के लिए भी किया जाता है और अमेरिका में इसकी लत महामारी का रूप लेती जा रही है। आरोप में आनंद के मेडिकली अनावश्यक प्रिस्क्रिप्शन मेडिकेशन्स को गुडी बैग्स (लुभावने तौर पर) का नाम दिया गया है। ये दवाएं उन मरीजों को दी जाती थीं जो नियंत्रित दवाएं प्राप्त करना चाहते थे। ये दवाएं उन फार्मेसियों के माध्यम से दी जाती थीं जो आनंद के स्वामित्व में थीं।

जहां भारतीयों की एंट्री बंद थी वहीं लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा

ब्लूमफोनटेन। दक्षिण अफ्रीका के फ्री स्टेट प्रांत की राजधानी ब्लूमफोनटेन में अब महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा शान से खड़ी है। यह वही इलाका है, जहां रंगभेद कानूनों के चलते एक सदी से ज्यादा समय तक भारतीयों का प्रवेश वर्जित था। महात्मा गांधी की यह प्रतिमा मशहूर मूर्तिकार पद्मभूषण रामवांगी सुतार ने बनाई है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने इसे आंग्ल-बोअर युद्ध संग्रहालय को दान किया। 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने आंग्ल-बोअर युद्ध संग्रहालय में इसका अनावरण किया। इस मौके पर भारतीयों की इस युद्ध में भूमिका पर एक डॉक्युमेंट्री और किताब भी जारी की गई। 1994 में नेल्सन मंडेला के राष्ट्रपति बनने से पहले इस प्रात को पहले ऑरेंज फ्री स्टेट कहा जाता था और यहां कानूनी रूप से भारतीयों का प्रवेश वर्जित था। यहां तक कि जो भारतीय डर्बन जैसे शहरों की तरफ जाते थे, उन्हें भी यहां से गुजरने के लिए पहले से इजाजत लेनी पड़ती थी।

साल 2024 में 76 हजार से ज्यादा अकेले लोगों की हुई मौत

टोक्यो । जापान में अकेली मौतों का संकट गहराता जा रहा है। इस देश में सामाजिक अलगाव और अकेलेपन की समस्या अब एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। साल 2024 में देशभर में 76,020 लोगों की मौत उनके घर में अकेले हुई, जिनमें से 76.4 प्रतिशत यानी तीन चौथाई से अधिक की उम्र 65 वर्ष या उससे अधिक थी।

यह आंकड़े जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी द्वारा जारी किए गए। आंकड़ों के अनुसार, अकेली मौतों के सबसे अधिक मामले 85 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में सामने आए, जिनकी संख्या 14,658 रही। इसके बाद 75-79 वर्ष के आयु वर्ग में 12,567 और 70-74 वर्ष के लोगों में 11,600 मौतें दर्ज की गईं। हैरान करने वाली बात यह रही कि इनमें से लगभग 39.2 प्रतिशत शव 24 घंटे के भीतर मिल गए, लेकिन 7.8 प्रतिशत मामलों यानी 4,538 लोगों के शव एक महीने से भी अधिक समय तक उनके घरों में पड़े रहे, जिनका किसी को पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक, इन मौतों का पता अधिकतर तब चला जब लंबे समय तक डाक इकट्ठा होती रही या पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने व्यक्ति से संपर्क न हो पाने पर चिंता जताई। क्षेत्रवार आंकड़ों में सबसे ज्यादा अकेली मौतों के मामले टोक्यो (7,699) में दर्ज किए गए। इसके बाद ओसाका (5,329), कानागावा (3,659) और आइची (3,411) रहे। यह पहली बार है जब जापान में अकेली मौतों को लेकर इस तरह के आंकड़े आधिकारिक रूप से संकलित किए गए हैं।

ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी धमकी, अब विदेशी छात्रों के दाखिले को रोकेगा

-हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा- हम अपनी स्वतंत्रता व अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने जो शर्तें रखी थीं, उसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने मानने से इनकार कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब हार्वर्ड को झुकाने के लिए नया पेंचरा अपनाया है। ट्रंप प्रशासन ने धमकी दी है कि अगर हार्वर्ड मांगें नहीं मानता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले से रोका जाएगा। यह विवाद न केवल हार्वर्ड की स्वतंत्रता को चुनौती दे रहा है, बल्कि उन छात्रों के सपने पर ग्रहण लगा रहा है, जो अमेरिका में पढ़ना चाहते हैं।

ट्रंप उस हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक्शन लेना चाहते हैं, जिसने अब तक दुनिया को 162 नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि ट्रंप उसपर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड पर सख्त सरकारी नियंत्रण की मांग की है, जिसमें दाखिला प्रक्रिया, स्टाफ भर्ती और राजनीतिक विचारों की जांच शामिल है। हार्वर्ड ने इन मांगों को खारिज कर दिया जिससे ट्रंप प्रशासन भड़क गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि अगर हार्वर्ड अपनी रिपोर्टिंग जरुरतों का पूरी तरह पालन नहीं करता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले का विशेषाधिकार खोना पड़ेगा। ट्रंप ने हार्वर्ड को ÷मजाक÷ करार देते हुए ट्रुथ सोशल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड को अब एक सम्मानजनक शिक्षण संस्थान भी नहीं माना जा सकता और इसे दुनिया की महान विश्वविद्यालयों या कॉलेजों की किसी भी सूची में नहीं रखा जाना चाहिए।

हार्वर्ड एक मजाक है, नफरत और मूर्खता सिखाता है और इसे अब संघीय धन नहीं मिलना चाहिए।ट्रंप ने पहले ही 2.2 बिलियन डॉलर की संघीय फंडिंग को स्थायी रूप से रोक दिया है। उन्होंने इसकी टैक्स फ्री स्थिति को छीनने की भी धमकी दी है। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष की भी आलोचना की, जिन्हें कथित अक्षमता के बावजूद पद से नहीं हटाया गया।

टैरिफ की मार से परेशान अमेरिकी राज्य ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

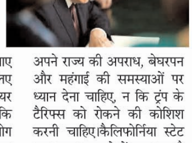

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों से केवल दुनियाभर के देश परेशान नहीं हैं बल्कि खुद अमेरिका भी इन दिक्कतों से अछूता नहीं है। कैलिफोर्निया ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को रोकने के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। राज्य का आरोप है कि ट्रंप ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है और इससे न केवल कैलिफोर्निया बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

कैलिफ़ोर्निया अमेरिका में सबसे ज्यादा सामान आयात करता है और जिसकी 12 बंदरगाहों के जरिए 40 प्रतिशत आयात होता है, सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। 2022 में कृषि निर्यात 23.6 बिलियन डॉलर था, जो अब खतरे में है और इससे हजारों नौकरियों पर असर पड़ सकता है।वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कैलिफ़ोर्निया के ऐक्शन पर गवर्नर गैविन न्यूजम पर निशाना साधते हुए कहा, उन्हें अपने राज्य की अपराध, बेघरपन और महंगाई की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि ट्रंप के टैरिफ्स को रोकने की कोशिश करनी चाहिए।कैलिफोर्निया स्टेट द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है कि टैरिफ लगाने का अधिकार संविधान के अनुसार कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। ट्रंप ने एक्ट का हवाला दिया, लेकिन यह कानून राष्ट्रपति को अपने मन से सभी वस्तुओं पर टैक्स लगाने की इजाजत नहीं देता। नए टैरिफ्स से शेयर बाजार और बांड मार्केट में भारी गिरावट आई है, जिससे अरबों डॉलर की पूंजी नष्ट हो गई। ट्रंप ने सभी देशों से आने वाले सामानों पर 10त्न का टैरिफ लगाया है। कुछ देशों के लिए जो अमेरिका के आयात पर ऊंची बाधाएं लगाते हैं, उनके लिए यह दर और ज्यादा है।

चीन पर 100 फीसदी टैरिफ से अमेरिका को होगा सबसे ज्यादा नुकसान

फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कहा टैरिफ से अर्थव्यवस्था गहरे संकट में आ सकती है

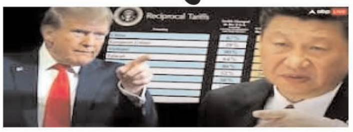

वाशिंगटन। चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर थमता नहीं दिख रहा है। अब अमेरिका ने चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान पर अब कुल 245 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे पहले चीन ने अमेरिकी सामान पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया था और डील के बावजूद वोइंग विमानों को लेने से इनकार कर दिया था। इससे अमेरिका बौखला गया और टैरिफ को 100 फीसदी कर दिया।

अमेरिका के बढ़े टैरिफ पर चीन ने कहा कि हम ट्रेड वॉर से नहीं डरते। चीन ने ली चेंगगांग के रूप में नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि को तैनात किया है। यह कदम ट्रंप के उस बयान के बाद उठाया गया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि टैरिफ गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए टैरिफ के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा और आम लोगों को सामान की कीमतों में भारी रमम चुकानी पड़ेगी।

मीडिया रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि टैरिफ फेडरल रिजर्व के अनुमान से कहीं ज्यादा हैं, जो अर्थव्यवस्था को और गहरे संकट में धकेल सकते हैं। सर्वे में भी लोग और कारोबारी अर्थव्यवस्था की सेहत को लेकर डरे हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर जांच की घोषणा से टैरिफ वॉर की चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। ब्रिटेन के एफटीएसएफ 100 में 0.3 फीसदी, जर्मनी के डीएएक्स में 0.7 फीसदी और फ्रांस के सीएसी 40 में 0.5 फीसदी की गिरावट आई है। चीन की पहली तिमाही में 5.4 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के बावजूद हांगकांग का हेंग सेंग 1.9 फीसदी गिरा है। शंघाई कंपोजिट 0.3 फीसदी बढ़ा। जापान का नाइस 1 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

रिलीज से पहले छाया ज्वेल थीफ का जादू

सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद द्वारा निर्मित फिल्म च्ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिन्सज् 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है, लेकिन रिलीज से पहले ही इसका गाना च्जादूज् जबरदस्त सुर्खियों में है। इस गाने ने दो बड़े म्यूजिक एप्लिकेशन के चार्ट्स में टॉप पोजिशन हासिल कर ली है और अब इंस्टाग्राम पर रील्स के लिए भी ट्रेंडिंग सॉन्ग बन चुका है। गाने को आकर्षक धुन, शानदार बोल और विजुअल ग्रैंडर के लिए खूब तारीफ मिल रही है। फैन्स को सैफ अली खान, निकिता दत्ता, कुणाल कपूर और खासकर जयदीप अहलावत की परफॉर्मेंस बेहद पसंद आ रही है। जयदीप अहलावत, जिन्हें आमतौर पर गंभीर भूमिकाओं में देखा गया है, इस बार डांस करते नजर आ रहे हैं और यही बात दर्शकों को सबसे ज्यादा चौंका रही है। च्पाताल लोकज् में हठी राम चौधरी का किरदार निभाने वाले जयदीप ने इस गाने में इतने सहजता से कोरियोग्राफी निभाई है कि फैन्स को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा। गाने की लोकप्रियता और जयदीप की यह नई छवि फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा रही है।

राशी खन्ना की सादगी

पैन-इंडिया एक्ट्रेस राशी खन्ना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसने उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। तस्वीर में राशी अपनी वैनिटी वैन में नीले रंग की सादी कुर्ती पहने शॉट का इंतज़ार करती नजर आ रही हैं। उनका यह लुक जितना सरल है, उतना ही प्रभावशाली भी है। हल्का मेकअप और कैप्शन च्वेटिंग फॉर माई शॉट लाइकज्ज् उनके आत्मविश्वास और सहजता को बखूबी दर्शाता है। राशी खन्ना को उनकी अभिनय की विविधता और अलग-अलग भाषाओं में शानदार परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। उनके इस नए अवतार से अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि वे इस बार किसी गहराई से जुड़ी, ज़मीन से ताल्लुक रखने वाली भूमिका में नजर आ सकती हैं। फिल्म के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन फैन्स इस लुक को देख बेहद उत्साहित हैं। कई लोगों ने उनकी सादगी और ग्रेस की तारीफ की है।

कृष 4 को लेकर ऋतिक सुर्खियों में

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म च्कृष 4ज् को लेकर सुर्खियों में हैं, जो करीब 12 साल बाद इस पॉपुलर फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी के रूप में आने वाली है। खास बात यह है कि इस बार ऋतिक न सिर्फ अभिनय करते नजर आएंगे, बल्कि निर्देशन की कमान भी खुद संभालेंगे। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा की वापसी की खबरों ने भी फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। इसी बीच लंदन से ऋतिक की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। खास बात यह है कि इन तस्वीरों में उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी उनके साथ दिख रही हैं। यह मुलाकात निक जोनस के एक म्यूजिक शो के दौरान हुई, जिसे देखने ऋतिक और सबा पहुंचे थे। तस्वीरें साझा करते हुए ऋतिक ने निक की तारीफ करते हुए लिखा, च्हम सोचे थे कि दोस्तों के साथ एक मजेदार रात बिताएंगे, लेकिन निक जोनस तुम अविश्वसनीय हो।ज्ज् इन पलों को देख फैंस च्कृष 4ज् में ऋतिक-प्रियंका की जोड़ी की वापसी को लेकर और उत्साहित हो गए हैं।

प्रभु देवा एक अच्छे पिता ः रामलथ

कोरियोग्राफर और एक्टर प्रभु देवा जहां अपने काम के लिए सुर्खियों में रहते हैं, वहीं उनकी निजी जिंदगी भी अक्सर चर्चा में रहती है। साल 1995 में प्रभु देवा ने रामलथ से शादी की थी, लेकिन यह रिश्ता सिर्फ 16 साल ही चल सका और दोनों का तलाक हो गया। अब 14 साल बाद रामलथ ने पहली बार अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। एक हालिया इंटरव्यू में रामलथ ने कहा कि भले ही दोनों अब साथ नहीं हैं, लेकिन प्रभु देवा हमेशा बच्चों के लिए संपर्क में रहे हैं। उन्होंने एक पिता की जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। उन्होंने यह भी बताया कि अलग होने के बावजूद दोनों ने एक-दूसरे के फैसलों का सम्मान किया है और कभी भी एक-दूसरे के बारे में बुरा नहीं कहा। रामलथ ने खासतौर पर अपने बेटे ऋषि राघवेंद्र देवा के फिल्म डेब्यू पर बात करते हुए कहा कि बेटे को प्रभु देवा के साथ स्क्रीन शेयर करते देखना एक गर्व का पल है। उन्होंने यह भी बताया कि पिता और बेटे के बीच मजबूत बॉन्ड है और प्रभु देवा के लिए उनके बच्चे ही उनकी दुनिया हैं।

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

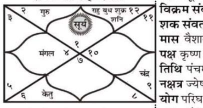

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	**मेष**	05.24 बजे से
चंद्र	धनु में	**वृष**	07.08 बजे से
मंगल	कर्क में	**मिथुन**	09.06 बजे से
बुध	मीन में	**कर्क**	11.20 बजे से
गुरु	वृष में	**सिंह**	13.36 बजे से
शुक्र	मीन में	**कन्या**	15.48 बजे से
शनि	मीन में	**तुला**	17.58 बजे से
राहु	मीन में	**वृश्चिक**	20.13 ब.से
केतु	कन्या में	**धनु**	22.29 बजे से
राहुकाल		**मकर**	00.34 बजे से
10.30 से		**कुंभ**	02.21 बजे से
12.00 बजे तक		**मीन**	03.54 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 108 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 08.21 बजे को समाप्त।
योग परिघ 01.03 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 17.08 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872318
जूलियन दिन 2460783.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	**रोग**	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	**काल**	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	**लाभ**	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	**उद्वेग**	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	**शुभ**	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	**अमृत**	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	**चर**	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	**रोग**	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बैसाखी परिवार, भोजन और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक ः अर्जुन कपूर

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता अर्जुन कपूर ने कहा कि बैसाखी का त्योहार उनके लिए सिर्फ एक धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि परिवार, भोजन और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि उनके नाना-नानी अंबाला से थे और दादा-दादी भी पंजाबी मूल के थे, जिससे उनके बचपन में पंजाबी परंपराओं का गहरा असर रहा। अर्जुन कहते हैं कि उनके परिवार में हर त्योहार खाने से जुड़ा होता था, और बैसाखी भी इसका अपवाद नहीं थी। अर्जुन को याद है कि वे बचपन में गुरुद्वारे जाया करते थे, जहां उन्हें लंगर में मिलने वाला हलवा और पूरी बेहद पसंद आता था। वे मुस्कुराते हुए बताते हैं कि हलवे में इतना घी होता था कि पूरी प्लेट चमकने लगती थी। गुरुद्वारे की वो शांति और भोजन की वो सरलता आज भी उनके ज़ेहन में ताज़ा है। वे आज भी गुरुद्वारे जाकर सुकून महसूस करते हैं।

वर्तमान समय में त्योहारों के बदलते स्वरूप पर अर्जुन का मानना है कि अब त्योहार दिखावे से ज़्यादा भावना और सम्मान का विषय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की खूबसूरती इसकी विविधता और समावेशिता में है, जहां हर धर्म और समुदाय के पर्व को मिलकर मनाने की परंपरा रही है। उनका मानना है कि जरूरी नहीं है कि हर त्योहार को घर पर मनाया जाए, लेकिन यदि आप उसके महत्व को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं, तो वही असली भावना है।

अर्जुन ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी एक भावनात्मक इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा कि काश फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसा एक दिन होता जब हम सब अपने प्रयासों का जश्न मना पाते, बिना किसी तनाव या एजेंडे के। वे मानते हैं कि जब कोई फिल्म चलती है तो वह मेहनत के फल जैसा होता है - ठीक वैसे ही जैसे बैसाखी में फसल काटी जाती है। उन्होंने किसानों को भारत की असली पहचान बताया और कहा कि यह त्योहार हमें याद दिलाता है

दिल्ली के मुख्यमंत्री पति चर्चाओं में

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता हैं । रेखा गुप्ता पढ़ी-लिखी स्नातक महिला हैं । वह लंबे समय तक पार्षद रही हैं । छात्र नेता भी रही हैं । जब से वह मुख्यमंत्री बनी हैं । अधिकारियों की बैठकों में उनके पति मुकेश गुप्ता भी नजर आ रहे हैं । वह अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं । दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने विगत दिनों एक फोटो जारी की है ।जिसमें मुख्यमंत्री के पति मुकेश गुप्ता अधिकारियों की बैठक में भाग ले रहे हैं ।अभी तक देश में पंच, सरपंच पति, विधायक पति कामकाज में अपनी पत्नी की जगह लेते थे । अब मुख्यमंत्री पति की भूमिका देखने को मिल रही है । भाजपा पहले दूसरों को कटघरे में खड़ा करती थी । अब उसी को जायज ठहरा रही है ।

जीजा से मुकाबले के लिए साले को मैदान में उतारा कांग्रेस ने

बिहार विधानसभा चुनाव के 6 महीने पहले कांग्रेस ने अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास शुरू कर दिए हैं ।कांग्रेस पार्टी ने स्वर्ण नेताओं के स्थान पर इस बार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों पर ध्यान केंद्रित किया है । कांग्रेस ने अहमदाबाद अधिवेशन में पप्पू यादव को बुलाया था । निश्चित रूप से जीजा लालू यादव और भांजे तेजस्वी को बुरा लगा होगा ।बिहार में लालू प्रसाद के करीबी अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश राम को अध्यक्ष बना दिया है । कन्हैया कुमार और पप्पू यादव ने जिस तरह से विधानसभा चुनाव की तैयारी की है । प्रभाव वाले क्षेत्रों में संगठन तैयार करने का काम किया है ।उससे कांग्रेस मुख्य लड़ाई में आ गई है ।ऐसा लोग कहने लगे हैं । बिहार विधानसभा चुनाव में लालू यादव के साथ बराबरी से मोलभाव करने की स्थिति में कांग्रेस आ गई है ।

कांग्रेस का न्याय पथ संकल्प

भाजपा की तरह अब कांग्रेस भी भारी भरकम नारे और पंच लाइन बनाना सीख गई है । अहमदाबाद के अधिवेशन में कांग्रेस ने न्याय पथ संकल्प का प्रस्ताव पारित किया है । यह नारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम मतदाताओं को कांग्रेस से जोड़ेगा । इसी तरह से कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान चलाने का ऐलान किया है । इस अभियान के माध्यम से राज्यों में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का अभियान चलाया जाएगा ।गांव-गांव में संगठन बनाने की तैयारी कर ली गई है ।अहमदाबाद के अधिवेशन में नूतन कांग्रेस-नूतन गुजरात जैसे नारे कांग्रेस ने तैयार किए हैं ।कांग्रेस बीजेपी को हर तरह से टक्कर देने की तैयारी कर रही है । कांग्रेस के नेता अब भाजपा का मुकाबला करने के लिए खुशी के मैदान में जाकर चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं ।

अपने नए अंदाज से सबको चौंका रहे हैं एमएस धोनी

दक्षिण भारतीय सिनेमा में पहले से सक्रिय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के लीडर एमएस धोनी ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत एक फिल्म भी रिलीज कर दी है, लेकिन अब उनका एक नया और रोमांटिक अवतार सामने आया है। एमएस धोनी अब सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि पर्दे पर भी अपने नए अंदाज से सबको चौंका रहे हैं। करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक क्लिप शेयर की है जिसमें धोनी को लवर बॉय के किरदार में देखा जा सकता है।

इस वीडियो में धोनी का नया रूप देखकर फैंस दंग रह गए। क्लिप की शुरुआत में लिखा आता है, पहली बार, एमएस धोनी रोमांटिक अवतार में, और इसके बाद धोनी कैमरे की ओर देखकर कहते हैं, च्तुम जो साथ चलती हो, हर सफर खूबसूरत बनती हो।ज्ज् इसके बाद वीडियो अचानक खत्म हो जाता है और फैंस के बीच उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। करण जौहर ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, च्थ्रिएटिकल ढोल, कृपया! एमएस धोनी को पेश करते हैं.. हमारे नए लवर बॉय!ज् शुद्ध सिनेमाई जादू!

समक्ष न्यायालय श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी एवं ट्रस्ट पंजीयन अधिकारी महोदय मैहर, जिला मैहर (म.प्र.)

रा.प्र.क.-0001/बी113/2025-26

पवन पाण्डेय पिता स्व.देवीप्रसाद पाण्डेय उम्र लग.48 वर्ष संस्थापक/अध्यक्ष/न्यासकर्ता माँ कृष्णा देवी लोक न्यास मैहर जिला मैहर म.प्र. निवासी वार्ड नंबर 06 सीता मंदिर के पास पांडे टोला मैहर जिला मैहर म.प्र............................ **आवेदक**

बनाम

म.प्र. शासन .... **अनावेदक**

प्रेस विज्ञप्ति

आवेदक द्वारा रजिस्ट्रेशन पब्लिक ट्रस्ट के अंतर्गत धारा 4(2) म.प्र.पब्लिक ट्रस्ट 1951 एवं रुल्स 1962 के तहत मॉं कृष्णा देवी लोक न्यास मैहर के रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदन पत्र दिया है। जिसका रजिस्ट्रेशन दिनांक 15/4/25 को किया जा चुका है उक्त ट्रस्ट के न्यासकर्ता पवन पाण्डेय उर्फ दाऊ सरकार व अन्य 10 सदस्य ट्रस्टी के रुप मे है उक्त ट्रस्ट मे मॉं कृष्णा देवी लोक न्यास के भवन, मंदिर सहित अन्य चल-अचल सम्पति के रुप मे ग्राम अरकंडी वार्ड नंबर 01 मैहर की आराजी नंबर-76/1 रकवा 0.0500 हे. एवं ख.न.-76/2 रकवा 0.2090 हे. के रकवा मे से 4000 वर्गफुट सम्पत्तिया है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
मैहर जिला मैहर (म.प्र.)

सोनम ने डियोर ऑटम शो 2025 ने बिखेरा जलवा

क्योटो (वार्ता)। अभिनेत्री सोनम कपूर ने डियोर ऑटम शो 2025 में अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। जापान की सांस्कृतिक राजधानी क्योटो में आयोजित इस शो में सोनम ने डियोर प्री-फॉल 2025 के शानदार परिधान में शिरकत की और अपने अंदाज में गरिमा व स्टाइल का संगम प्रस्तुत किया। वह इस शो में भाग लेने वाली एकमात्र बॉलीवुड स्टार रहीं। डियोर की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में, सोनम कपूर ने एक बार फिर अपनी विशिष्ट एलिगेंस और सादगी का परिचय दिया। यह शो क्योटो के प्रसिद्ध टो-जी मंदिर में आयोजित किया गया, जिसमें सोनम कई प्रतिष्ठित मेहमानों के साथ शामिल हुईं।

पिता बने जहीर खान पत्नी ने बेटे को दिया जन्म

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान की पत्नी, अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने बेटे को जन्म दिया है। दंपत्ति ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक फैमिली पिक्चर शेयर करते हुए प्रशंसकों को यह खुशखबरी सुनाई। पोस्ट में उन्होंने बेटे का नाम भी बताया। इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए जहीर खान नवजात को गोद में लिए दिखे। वहीं, सागरिका उन्हें पीछे से गले लगाती नजर आईं। उन्होंने प्यारी तस्वीर के साथ यह भी बताया कि अपने लाडले का नाम उन्होंने क्या रखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, प्यार, कृतज्ञता और ईश्वर के आशीर्वाद से हम अपने प्यारे छोटे बेटे फतेह सिंह खान का स्वागत करते हैं। इस घोषणा पर प्रशंसकों, मित्रों और साथी हस्तियों ने बधाइयां दी।

पांच सितम्बर को रिलीज होगी फिल्म 'दिल मदरासी'

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार शिवकार्तिकेयन की आने वाली फिल्म 'दिल मदरासी' पांच सितम्बर को रिलीज होगी। शिवकार्तिकेयन पहली बार जाने-माने निर्देशक ए.आर. मुरुगदॉस की धमाकेदार एक्शन थ्रिलर 'दिल मदरासी' में काम करते नजर आएंगे। अमरन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद शिवकार्तिकेयन अब मुरुगदॉस के साथ मिलकर फैंस को एक और सरप्राइज देने जा रहे हैं।

श्री लक्ष्मी मूवीज के बैनर तले बन रही 'दिल मदरासी' की रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है,

मुंबई (वार्ता)। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता स्टारर फिल्म 'वध 2' की शूटिंग पूरी हो गई है। वर्ष 2022 में प्रदर्शित थ्रिलर फिल्म वध की अगली कड़ी वध 2 की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। एक बार फिर संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की दमदार जोड़ी इस फिल्म में नजर आएगी। वध 2 का निर्देशन जसपाल सिंह संधू ने किया है और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग के प्रोडक्शन हाउस लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है।

संजय मिश्रा ने कहा, वध सिर्फ़ एक फिल्म नहीं थी, वो एक ऐसा सिनेमा अनुभव था जो हमारे साथ-साथ दर्शकों के दिल में भी उतर गया। अब जब वो एक फ्रैंचाइजी बन रही है, तो ये एक साथ विनम्रता और उत्साह से भर देने वाला है। जसपाल के निर्देशन में एक बार फिर काम करना वाकई प्रेरणादायक रहा, उनकी सोच हर सीन को एक गहराई दे देती है। नीना गुप्ता ने कहा, ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं जिनकी अपनी एक अलग आवाज होती है। जसपाल सिंह संधू के पास सच्चाई और तनाव को पकड़ने की जो नजर है, वो उन्हें एक बेहतरीन कहानीकार बनाती है।

'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में नजर आएंगे शबीर अहलुवालिया

मुंबई (वार्ता)। टीवी के जानेमाने अभिनेता शबीर अहलुवालिया, सोनी सब के आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी शो 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में नए अवतार में नजर आयेंगे। सोनी सब के आगामी शो में युग सिन्हा की भूमिका निभा रहे, शबीर अहलुवालिया ने कहा, 'मैं टेलीविान पर वापसी करके बेहद उत्साहित हूं, खासकर ऐसे किरदार के साथ जो मेरी अब तक निभाई गई किसी भी भूमिका से बिल्कुल अलग है।

सालों तक 'परफेक्ट हसबैंड' या रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाने के बाद, मैंने जानबूझकर ऐसा किरदार चुना है जो कई पहलू और अनूठापन लिए हुए है। 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' सिर्फ एक किरदार की कहानी नहीं है, बल्कि ये एक दिलचस्प 'ओपोट्सि अट्रैक्ट' लव स्टोरी है, जिसमें एक बेतरतीब परिवार में होने का पागलपन और प्यार भी शामिल है।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है सैयामी खेर

दिल्ली (आईएएनएस)। अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपने करियर को लेकर बताया कि वह अपने काम पर फोकस करती हैं और रिजल्ट की फिक्र नहीं करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की गारंटी नहीं होती। यह पूछे जाने पर कि वह लगातार आगे बढ़ रही इंडस्ट्री में अपेक्षाओं के दबाव को कैसे मैनेज करती हैं, सैयामी ने बताया, दबाव कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होता, लेकिन जब आपका ध्यान रिजल्ट के बजाय काम पर होता है, तो सांस लेना आसान हो जाता है।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और प्रक्रिया को महत्व देना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जो चुनौती देते हैं और मैं अपने काम से ही इस प्रेशर को मैनेज करती हूं। मैंने अभिनय की दुनिया में भी कदम इसी वजह से रखा था, क्योंकि मुझे यह पसंद है। साल 2015 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा आश्चर्य किस बात से होता है? सैयामी ने कहा, इसकी अनिश्चितता।

अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता से हैरान हूं, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती। आप किसी चीज में अपना दिल, आत्मा, मेहनत सब कुछ लगा सकते हैं, फिर भी निश्चित नहीं है कि परिणाम क्या होगा। लेकिन यही चीज उसे जीवंत और मैजिकल बनाए रखती है। उन्हें यह भी आश्चर्य होता है कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी के रूप में कैसे देखा जाता है। सैयामी ने कहा, एक और बात जो मुझे वाकई हैरान करती है, वह यह कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी की तरह देखा जाता है। मेरे लिए, समय की पाबंदी ऐसी चीज नहीं है जिसकी सराहना की जानी चाहिए - यह सम्मान का एक बुनियादी संकेत है।

सुपर ओवर में पांच गेंदें ही खेल पायी रॉयल्स

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स विफल रही और पांच गेंदों में ही आउट हो गयी। सुपर ओवर के लिए दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने गेंद मिचेल स्टार्क को दी। ओवर की पहली गेंद पर शिमरोन हेटमायर कोई रन नहीं बना पाये।

इस सत्र में अबतक फ्लाप रहे हैं दिल्ली कैपिटल्स के फेजर

नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को भले ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपर ओवर में जीत मिली है पर इस दौरान उसकी कमजोरी सामने आ गयी। दिल्ली की टीम एक बार फिर इस मैच में अच्छी शुरुआत करने में विफल रही। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर दिल्ली को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दिल्ली की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क रन बनाने में विफल रहे।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीबी तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली और पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था। जिसको लाभ पंजाब के स्पिनर उठाना चाहेंगे। पंजाब के पास चहल के अलावा स्पिनर के तौर पर ग्लेन मैक्सवेल भी हैं। मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी में रहे हैं और वह मैदान के हालातों को भी समझते हैं।

वहीं आरसीबी के पास भी क्रणाल पांड्या और सुयश शर्मा जैसे अच्छे स्पिनर हैं जो पंजाब के कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। श्रेयस के अलावा इस सत्र में प्रियांश ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन जैसे अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं आरसीबी के पास तेज गेंदाजाज के तौर पर अनुभवी जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक टीम को अच्छी सफलता दिलायी है। रजत पहली बार कप्तानी कर रहे हैं जबकि श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलायी थी। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी अहम भूमिका रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों किसी भी मामले में कम नहीं है ऐसे में बराबरी की टक्कर है। आरसीबी की बल्लेबाजी में काफी गहराई है। वहीं पंजाब के पास जुनूनी खिलाड़ी है हालांकि ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के बल्ले की खामोशी उसके लिए परेशानी बन सकती है।

हार से निराश हैं राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन

बल्लेबाजों के लक्ष्य हासिल करने की थी उम्मीद

नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार पर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने निराशा जतायी है। सैमसन के अनुसार उन्हें लगा था कि बल्लेबाज लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। इस मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स की टीम को अंतिम ओवर में 1 गेंद पर जीत के लिए 2 रन चाहिए थे पर वह एक ही रन बना पायी। इससे स्कोर बराबर होने के कारण मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। इसमें रॉयल्स की टीम पहले बल्लेबाजी करनी उतरी और उसने 11 रन बनाए। इस लक्ष्य को दिल्ली ने आसानी से हासिल कर लिया। सुपर ओवर में रॉयल्स ने शिमरोन हेटमायर और रियान पराग को बल्लेबाजी के लिए भेजा था पर ये दोनो इस ओवर में 11 रन ही बना पाये। पराग के आउट होने के बाद यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी करने के लिए आए पर वह एक भी गेंद नहीं खेल पाए। वहीं केएल राहुल की शानदार बल्लेबाजी से कैपिटल्स 4 गेंदों में ही जीत हासिल करने में सफल रही। ट्रिस्टन स्टब्स ने छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलायी।

इस मैच में सुपर ओवर में रॉयल्स ने शिमरोन हेटमायर और रियान पराग को भेजा। रियान ने 1 चौका लगाया पर सभी उनको उतारे जाने से हैरान नजर आये। पराग ने 3 गेंदे खेलकर 4 रन बनाए जबकि हेटमायर भी 3 गेंद पर 5 रन बनाने में सफल रहे। राजस्थान की टीम सुपर ओवर में अधिक रन नहीं बना पायी।

सैमसन ने हार के बाद कहा, ‘मैं सुपर ओवर में बल्लेबाजी करने के लिए तैयार नहीं था। हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। मैं अपने गेंदबाजों और फील्डर्स को इसका श्रेय देना चाहूंगा। मुझे लगा कि हमारे पास जो बल्लेबाजी लाइनअप वह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है पर ऐसा हो नहीं पाया।'

ओलंपिक क्रिकेट मुकाबले कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में होंगे : शाह

दुबई। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। ओलंपिक में होने जा रहे क्रिकेट मुकाबलों को लेकर अभी से तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसके लिए दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर तैयार किया जा रहा है। यहीं क्रिकेट मुकाबले होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ये बात कही है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा।

नीरज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में जीत हासिल की

पोटचेफस्ट्रूम। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में हुई पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता में जीत हासिल कर सत्र की शानदार शुरुआत की है। चोपड़ा ने इस वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में छह खिलाड़ियों ने भाग लिया था। नीरज ने यहां मेजबान देश के डौव स्मिट को भी पीछे छोड़ा जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था।

चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंचे। नीरज और स्मिट ही प्रतियोगिता में 80 मीटर से अधिक भाला फेंक सके।

मेजबान देश के ही एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन ने 71.22 मीटर भाला फेंका और वह तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा आजकल दक्षिण अफ्रीका में अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में अभ्यास कर रहे हैं। नीरज अब अगले माह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। नीरज ने अब तक दो ओलंपिक पदक स्वर्ण और रजत हासिल किये है। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप में भी विजेता रहे हैं।

आईपीएल के सामने पीएसएल कहीं नहीं टिकता : बिलिंग्स

लाहौर। आजकल जहां भारत में (आईपीएल) की धूम है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सुपर लीग (पीएसएल) खेल जा रहा है। वैसे तो आईपीएल और पीएसएल में कोई मुकाबला नहीं है पर फिर भी दोनो की तुलना की जाती रही है। इसी को लेकर एक वीडियो आया है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग में भाग ले रहे इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स कहते हैं कि आईपीएल के सामने पीएसएल कहीं नहीं टिकता।

लाहौर कलंदर्स की ओर से खेल रहे बिलिंग्स ने कहा कि उनसे आईपीएल की तुलना पीएसएल से नहीं की जा सकती। साथ ही कहा कि आईपीएल के ग्लैमर के आगे पीएसएल कहीं नहीं है। केवल सिर्फ पीएसएल ही क्यों? दुनिया की कोई भी टी-20 लीग आईपीएल की श्रेणी में नहीं आती। बिलिंग्स ने कहा कि वह चाहते हैं कि वह कुछ बेवकूफी की बात कहे, हालांकि, वह अपने रुख पर बने रहे और आईपीएल को दुनिया की किसी भी दूसरी टी-20 लीग से बेहतर बताया। बिलिंग्स ने रिपोर्टर से कहा, 'आप चाहते हैं कि मैं कुछ मूर्खतापूर्ण बात कहूं? दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रतियोगिता के तौर पर आईपीएल को नजरअंदाज करना मुश्किल है, यह बहुत स्पष्ट है, हर दूसरी प्रतियोगिता उससे पीछे है।'वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी पाक रिपोर्टर ने आईपीएल पर पूछा है। हाल ही में एक पाकिस्तानी रिपोर्टर ने कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर से आईपीएल में नहीं बिकने के बाद पीएसएल खेलने पर भारतीय प्रशंसकों से मिली नफरत के बारे में पूछा था। जिसके जवाब में वॉर्नर ने कहा था, 'मैंने पहली बार ऐसा सुना है, इस पर किसी की कोई बात नहीं है। मैं केवल क्रिकेट खेलना चाहता हूं।'

नितीश राणा ने संदीप को गेंदबाजी दिये जाने को सही बताया

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नितीश राणा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले का अंतिम ओवर संदीप शर्मा को दिये जाने के फैसले को सही बताया है। राणा ने कहा कि अगर उनकी टीम ये मैच जीतती तो इसपर सवाल नहीं उठते। राणा ने कहा कि इस मैच में दिल्ली को तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदबाजी से लाभ मिला।

रॉयल्स को करारा झटका, हार के बाद सैमसन को मिली फटकार

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स की टीम को आईपीएल मुकाबले में करारा झटका लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हार के साथ ही उसके कप्तान संजू सैमसन को आचारसंहिता उल्लंघन के लिए अंपायरों ने कड़ी चेतावनी दी है। रॉयल्स की टीम ये मैच सुपर ओवर में हारी। सुपर ओवर जोफ्रा आर्चर फेंक रहे थे।

श्रेयस प्रदर्शन से केकेआर प्रबंधन को दिया करारा जवाब

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस सत्र में अब तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में टीम मालिक शाहरुख खान व सीईओ वेंकी मैसूर और प्रबंधन कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने के लिए पछता रहे होंगे। श्रेयस की कप्तानी में पिछली बार केकेआर ने खिताब जीता था। वहीं श्रेयस ने अपनी पुरानी फ्रैंचाइजी केकेआर को इस सत्र में हराकर अपनी उपेक्षा के लिए करारा जवाब दिया है।

इस मैच के बाद श्रेयस केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर से भी मिले। तब अय्यर के साथ सुनील नरेन भी मौजूद थे। केकेआर से अलग होने के बाद श्रेयस अय्यर का अपनी पुरानी टीम के खिलाफ ये पहला मैच था। इसमें अय्यर ने अपनी शानदार कप्तानी से अपीन टीम को सिर्फ 111 रन बनाने के बाद भी जीत दिला दी। श्रेयस ने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने के साथ ही आक्रामक फील्ड लगाकर केकेआर पर दबाव बना दिया था। श्रेयस को 2022 की मेगा ऑक्शन में केकेआर ने कप्तान बनाया था। साल 2022 में टीम सातवें स्थान पर रही थी। 2023 में चोट के चलते वह पूरे सीजन से बाहर हो गए थे। 2024 में जब उनकी वापसी हुई तो उन्हें फ्रैंचाइजी ने दोबारा कप्तानी सौंपी और उन्होंने अपनी टीम को एक दशक से भी ज्यादा समय बाद आईपीएल ट्रॉफी जिताई। इतनी बड़ी सफलता के बाद भी केकेआर ने ने पिछले अक्टूबर में मेगा नीलामी से पहले उन्हें रिटेन नहीं किया जिससे सभी हैरान हो गये थे। वेंकी ने बाद में खुलासा किया था कि अय्यर उनकी रिटेंशन लिस्ट के पहली पसंद थे पर आपसी सहमति नहीं बनने से ही दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद श्रेयस को नीलामी में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था।

नकवी के आईसीसी बैठक में नहीं जाने को लेकर अटकलें तेज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी आईसीसी से नाराज बताये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण नकवी आईसीसी की वार्षिक तिमाही बैठक में नहीं गये। वह निजी काम का हवाला लेकर इससे दूर रहे। उनकी नाराजगी का कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद ईनामी राशि के समारोह में न बुलाया जाना माना जा रह है। इसी को उनकी नाराजगी का कारण माना गया है। वहीं पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि, मोहसिन नकवी स्वेदश में काम के कारण नहीं जा सके और बोर्ड के सीईओ सुमेर अहमद आईसीसी की बैठकों में शामिल हुए। बैठकों के खत्म होने के बाद से पीसीबी ने इस बात पर मौन साधा हुआ है। इससे माना जा रहा है कि उसने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के पुरस्कार वितरण समारोह के लिए मंच पर पीसीबी के प्रतिनिधि को नहीं रखने के लिए सांकेतिक विरोध जताया है।

स्टार्क की यॉर्कर गेंदबाजी ने बदला मैच

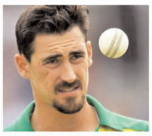

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 12 गेंदों में सभी 12 यॉर्कर डालकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की जीत में स्टार्क की भी अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से मैच पलट दिया। उसने अंतिम ओवरों में राजस्थान रॉयल्स को अपनी गेंदबाजी से ध्वस्त कर दिया। स्टार्क ने रॉयल्स के खिलाफ ऐसे सटीक यॉर्कर डाले कि उसके बल्लेबाजों को शॉट लगाने का कोई अवसर नहीं मिला जबकि इस मैच में रॉयल्स की टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। उसे अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल नौ रन की जरूरत थी पर स्टार्क पेसर ने सिर्फ आठ ही रन दिए, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर ने 06 और रियान पराग ने 04 रन बनाये। मिचेल स्टार्क ने इस ओवर में छह गेंद यॉर्कर फेंकी, जिसमें एक चौका हेटमायर और एक पराग ने लगाया पर पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। वहीं यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में दिल्ली को जीत के लिए 12 रन बनाने थे।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही इन सदस्यों को बाहर किये जाने की चर्चाएं थीं। इसका कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आना बताया जा रहा है। बोर्ड इस बात से सबसे अधिक नाराज था कि टीम की गोपनीय बातें कैसे बाहर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को हटा दिया है। नायर 8 महीने पहले ही भारतीय टीम से जुड़े थे। इसके अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी बाहर कर दिया गया है। ये दोनों ही गत तीन साल से भारतीय टीम से जुड़े हुए थे। इनकी जगह पर शीघ्र ही नया सहायक स्टाफ रखा जाएगा।

एक साल से भी कम समय में सहयोगी स्टाफ को बाहर किये जाने का कारण टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने को बताया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था और उसे 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई इस कारण भी नाराज था कि ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने से टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रह था और खिलाड़ियों के बीच मतभेद की आशंका बढ़ गयी थी।

निचले क्रम पर 30 से 40 रन भी अर्धशतक जैसे : जितेश

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के विकेटकीप बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि निचले क्रम पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। जितेश के अनुसार फिनिशर का काम काफी महत्वपूर्ण है।

इसमें टीम को जीत दिलाना अहम होता है। इसलिए फिनिशर के तौर पर खेली गयी 30 से 40 रनों की पारी भी टीम को जीत मिलती है तो अर्धशतक और शतक के समान ही हैं। जितेश आईपीएल 2025 में अक्सर छठे नंबर पर उतर रहे हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुछ दिन पहले मिली जीत में 19 गेंद में 40 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आरसीबी बोल्ड डायरीज के ताजा एपिसोड में कहा, ‘अब हर कोई फिनिशर ही है। लेकिन छठे सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है क्योंकि जब से फिनिशर की भूमिका निभा रहा हूं, मैने अर्धशतक नहीं लगाया है। पहले मैं अर्धशतक और शतक लगाता था। उन्होंने कहा, 'कोई भी उपलब्धि हासिल करने पर जब बल्ला उठाना अच्छा लगता था पर जब से फिनिशर बना हूं, अर्धशतक भी नहीं लगाया। 30 रन, 20 गेंद, 40 रन ही अहम होते हैं। उन्होंने कहा, ‘अब ये स्कोर ही पचास के जैसे हैं। अगर आप 30 गेंद में 60 या 70 रन बना रहे हैं तो यह शतक जैसा है। अगर टीम जीत रही है तो इसी से मुझे खुशी होती है। जितेश ने कहा कि विकेटकीपर होने से उन्हें पिच और विरोधी बल्लेबाज को बेहतर तरीके से समझने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, 'आपका दिमाग थक जाता है। फायदा यह है कि आप वहां से खेल पर नियंत्रण कर सकते हैं। आपको पता चल जाता है कि आपकी टीम के गेंदबाज इस विकेट पर क्या कर सकते हैं। आप दूसरी टीम के बल्लेबाजों को भी देखते समय अंदाजा लगा लगा सकते हैं।

गेंद पर लार लगाने का लाभ नहीं मिला : स्टार्क

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उन दावों को गलत बताया है जिनमें कहा गया है कि गेंद पर लार लगाने का लाभ उन्हें मिला। स्टार्क ने इस मैच में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए रॉयल्स के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क ने 20वें ओवर में राजस्थान को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। उसके बाद सुपर ओवर में भी उसे केवल 12 रनों पर ही समेट दिया। इससे दिल्ली की टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई। मैच के बाद जब स्टार्क से गेंद पर लार के असर के बारे में पूछ गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक धारणा है। मुझे नहीं लगता कि इससे सफेद गेंद में कोई बड़ा अंतर पड़ता है। हां, लाल गेंद में जरूर प्रभाव पड़ता है। मैंने आज रात गेंद पर लार का इस्तेमाल नहीं किया। मुझे कठिन क्षणों में प्रदर्शन करना पसंद है।

इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उस अंतिम ओवर में मैंने सिर्फ अपनी रणनीति पर ही काम किया। मेरे पास स्पष्ट योजना थी। कभी-कभी यह सफल रहती है, इस दौरान मुझे भाग्य का भी साथ मिला। यह एक शानदार खेल था, सही पक्ष में आकर खुश हूं। मैंने इतना लंबा खेला है कि हर कोई जानता है कि मैं क्या करूंगा, लेकिन अगर मैं इसे अंजाम देता हूं तो मुझे पता है कि मैं जीत जाऊंगा।

आईपीएल से पहले नेट में इस कारण गेंदबाजी नहीं करते हैं नरेन : बिस्ला

चंडीगढ़। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाज सुनील नरेन ने आईपीएल मैच से पहले नेट में गेंदबाजी नहीं करते हैं। वहीं आमतौर पर सभी गेंदबाज मैच से पहले लय हासिल करने नेट अभ्यास करते हैं। नरेन बिना नेट अभ्यास के ही मैच में अच्छी गेंदबाजी करते है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नरेन ने 3 ओवर में केवल 14 रन देकर ही 2 खिलाड़ियों को आउट कर दिया। केकेआर के पूर्व खिलाड़ी मनविंदर बिस्ला ने कहा है कि नरेन को नेट्स में गेंदबाजी करने में कोई रुचि नहीं है। इसका एक कारण ये ही है कि वे नहीं चाहते है कि बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी को पहले ही पढ़ लें क्योंकि आज टीम में शामिल बल्लेबाज ही कुछ साल बाद दूसरी टीम के लिए भी खेल सकते हैं। बिस्ला के मुताबिक नरेन की सफलता का राज भी नेट में गेंदबाजी नहीं करना है। बिस्ला केकेआर में विकेटकीपर के तौर पर खेला करते थे। उन्हें नरेन से कहना पड़ता था कि वो उन्हें 12 से 13 गेंद फेंक दे, जिससे वो उनकी गेंदबाजी में पड़ने वाली विविधता को समझ सकें क्योंकि उन्हें विकेटकीपिंग करते समय कैच और स्टंपिंग करना होता था। इसके बाद नरेन ने बिस्ला को कुछ गेंदे फेंकी थी जिससे उन्हें नरेन की गेंदबाजी की विविधता समझ आई। केकेआर ने आईपीएल में तीन ट्रॉफी जीती है। इस दौरान नरेन ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। नरेन आईपीएल में तीन बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द सीजन भी रहे हैं। केकेआर ने पिछले सत्र में खिताब जीता था। तब भी नरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। उस समय नरेन ने 180 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए थे। साथ ही 6.69 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए थे। वहीं इस सत्र में भी उन्होंने 190 की स्ट्राइक रेट से 130 रनों के साथ ही 6 मैचों में 7 विकेट भी लिए हैं।

पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की स्थानांतरण नीति शीघ्र होगी घोषित - प्रभारी मंत्री

जिला योजना समिति की बैठक में कई प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

रीवा (कीर्तिप्रभा)कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने की। बैठक में शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज का नाम कल्पना चावला पॉलिटेक्निक कालेज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में मेसर्स गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड बैंगलोर के सहयोग से शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में सिलाई एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित होगी। इसके अनुसार स्थानांतरण किए जाएंगे।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य कराएं। जिन गांवों में गत वर्षों में पानी का संकट रहा वहाँ हैण्डपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट प्राथमिकता से बनाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करके निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। अभियान के तहत मनरेगा से मंजूर सभी अधूरे कार्य 15 मई तक पूरे कराएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान से 50 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया जाएगा। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस योजना से रीवा जिले ही नहीं पूरे विन्ध्य में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। नए पात्र परिवारों को योजना का लाभ देने के लिए एक लाख 72 हजार परिवार चिन्हित किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना से प्रदेश में 27 लाख गरीब परिवारों को आवास मंजूर किए गए हैं। इसके शेष 6 लाख 50 हजार आवास शीघ्र स्वीकृत किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में गरीब परिवारों को पक्के आवास के लिए एसडीएम प्राथमिकता से जमीन उपलब्ध कराएं। इस योजना से मल्टी स्टोरी आवास भी बनाए जा सकते हैं। पेयजल की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस वर्ष जिले में औसत से कम वर्षा हुई है। जिले की सभी बसाहटों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई बिगड़े हैण्डपंपों का अभियान चलाकर सुधार कराएं। जिन क्षेत्रों में पेयजल संकट की आशंका हो वहाँ वैकल्पिक स्त्रोत से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायतों के पास उपलब्ध राशि से स्पाट सोर्स पर पानी की टंकी रखकर भी पेयजल की आपूर्ति कराएं। जहाँ जरूरत हो वहाँ तत्काल हैण्डपंपों में सिंगल फेज मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति करें। जल जीवन मिशन की समूह नलजल योजना से जिन गांवों में पानी दिया जा रहा है उनमें पाइप की मरम्मत तथा अन्य कमियाँ दूर कर नियमित रूप से पानी की सप्लाई करें। बैठक में गत बैठक के पालन प्रतिवेदन को भी मंजूरी दी गई।

जल संरक्षण के लिए जिले भर में किया जा रहा श्रमदान - हो रहे जागरुकता के कार्यक्रम

रीवा (कीर्तिप्रभा). जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा और मऊगंज जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य लगातार किए जा रहे हैं। महिला स्वसहायता समूहों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा गांव में जल रैली निकालकर जल संरक्षण के संदेश दिए जा रहे हैं। नदियों के उद्गम स्थल तथा अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई का कार्य भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रामनई में महादेव तालाब की सफाई तथा मेड़ के विस्तार का कार्य किया गया। रायपुर कर्चुलियान में मतहा तालाब में गहरीकरण और साफ-सफाई का कार्य किया गया। रायपुर कर्चुलियान की ग्राम पंचायत उकठा में तीन कुंओं में रिचार्ज पिट का निर्माण कराया जा रहा है। इसी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सोंठा में चेकडैम के सुधार का कार्य किया गया। त्योंथर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत घटेहा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अमृत सरोवर निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। इसमें प्रतिदिन श्रमदान किया जा रहा है। ग्राम पंचायत करही में रामरती कोल के घर के पास स्थित ट्यूबवेल में रिचार्ज पिट का निर्माण कराया गया। इसी पंचायत में रामलाल कोल के खेत में खेत तालाब का निर्माण शुरू किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जल संरक्षण के अलग-अलग तरह के कार्य जिले भर में किए जा रहे हैं। शासकीय प्राथमिक शाला भवन देउपा कोठार में अभियान के तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है। जवा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत जोन्हा में गांव के परंपरागत तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत खम्हरिया 17 में खेत तालाब का निर्माण शुरू किया गया है। जनपद पंचायत मऊगंज में उपयंत्री और सहायक यंत्री ने अमृत सरोवर खेत तालाब निर्माण के लिए स्थल का निरीक्षण किया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत उमरी में आजीविका मिशन के स्वसहायता समूह की महिलाओं ने जल संगोष्ठी का आयोजन किया।

उप मुख्यमंत्री के निवास पहुंचे प्रभारी मंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के रीवा स्थित अमहिया निवास पहुंचकर पंचायत तथा ग्रामीण विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सौजन्य भेंट की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने रीवा के विकास सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह उपस्थित रहे।

कांबिंग गश्त अभियान% की बड़ी सफलता- एक ही रात मे 627 वारंटियों की गिरफ्तारी

रीवा (कीर्तिप्रभा) रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा चलाया गया च्कांबिंग गश्त अभियानज् अत्यंत सफल रहा। इस विशेष अभियान में पुलिस ने रेंजभर में 627 वारंटियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अभियान का उद्देश्य न केवल वारंटियों की धरपकड़ था, बल्कि असामाजिक तत्वों, गुंडों और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखना भी था। आईजी के निर्देश पर इस अभियान को सुनियोजित ढंग से चलाया गया। पुलिसकर्मियों ने क्षेत्रवार गश्त के दौरान दोपहिया वाहनों से सतत पेट्रोलिंग की, जिससे अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। यह कार्रवाई स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करती है और पुलिस के प्रति विश्वास को बढ़ाती है।

औषधीय खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा में औषधीय खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड के तत्वाधान में देवारण्य योजना के तहत एक जिला एक औषधि पादप हरिद्रा अर्थात हल्दी की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ एके पाण्डेय ने किया। इस संबंध में जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ शारदा मिश्रा ने बताया कि प्रशिक्षण 16 एवं 17 अप्रैल को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के 10 चुने हुए मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। इनके द्वारा विकासखण्ड स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में किसानों को हल्दी एवं अन्य औषधीय पौधों की खेती की उन्नत तकनीक की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण में औषधीय पौधों की खेती, संग्रहण एवं भंडारण की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने हल्दी की खेती एवं इसके प्रसंस्करण से संबंधित प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, आजीविका मिशन तथा एफपीओ एवं प्रगतिशील किसानों की सहभागिता रही।

प्रभारी मंत्री ने विश्वम्भर पटेल के निवास पहुंचकर की सौजन्य भेंट

रीवा (कीर्तिप्रभा) पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रीवा में विश्वम्भर पटेल के निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की। वह श्री विश्वम्भर पटेल के आवास में आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रभारी मंत्री ने आमजनों की समस्यायें सुनीं

रीवा (कीर्तिप्रभा) पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा श्रम मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान सर्किट हाउस राजनिवास में स्थानीय जनों से भेंट की तथा आमजनों की समस्यायें सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों में संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री ने डॉ. योगानंद गिरी महाराज से आशिर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, डॉ. अजय सिंह सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

रीवा (कीर्तिप्रभा). पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय के तत्वाधान में वेंकट भवन रीवा में 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में विश्व पटल पर राम विषय से संबंधित छायाचित्र प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इस संबंध में पुरातत्व संग्रहालय अध्यक्ष ने बताया कि 18 अप्रैल को प्रातः 11 बजे प्रदर्शनी का शुभारंभ सैनिक स्कूल रीवा के प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी 24 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। इसमें प्रवेश निःशुल्क है। आमजनता से चित्र प्रदर्शनी के अवलोकन की अपील की गई है।

मेरा ईकेवायसी ऐप से राशन के पात्र हितग्राही खुद कर सकते हैं ई-केवायसी - खाद्य मंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा).प्रदेश में पीडीएस अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिए 9 से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन पर ई-केवायसी की सुविधा भी गुरूवार से उपलब्ध करायी जा रही है। इसके लिए फ्रमेरा ई-केवायसीफ्र ऐप प्रदेश में लांच किया गया है। इस ऐप के माध्यम से राशन लेने वाले वृद्ध, दिव्यांग एवं बच्चों सहित कोई भी हितग्राही किसी भी एन्ड्राइड मोबाईल फोन से अपना और अपने परिजन का आधार नम्बर ओटीपी दर्ज करके घर बैठे ई-केवायसी कर सकते हैं।मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि ऐप के साथ ही राशन लेने वाले हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर जिले में गांव और वार्ड स्तर पर ई-केवायसी कराने के लिए शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविर में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, वार्ड प्रभारी, ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक के दल द्वारा पीओएस मशीन को शिविर में ले जाकर हितग्राहियों के अंगूठे लगाकर उनकी ई-केवायसी की जा रही है।

पंचायतें विकसित होंगी तभी विकसित रीवा का सपना साकार होगा - उप मुख्यमंत्री

भवन विहीन पंचायतों को बिना मांगे पंचायत भवन दूंगा - प्रभारी मंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल के मुख्य आतिथ्य में पंच-सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित सम्मेलन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर पंच परमेश्वर की कल्पना की थी। राष्ट्रपिता की परिकल्पना में पंचायतों का कर्तव्य महत्पूर्ण था। पंचायत राज अधिनियम में कर्तव्यों के स्थान पर ग्राम पंचायतों के अधिकारों को बल दिया गया। पंचायत पदाधिकारी अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान दें। विवाद और झगड़े से विकास के कार्य संभव नहीं हैं। ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर और प्रशासनिक व्यवस्था से समन्वय बनाकर ही पंचायतों का विकास होगा। ग्राम पंचायतों को गांव की साफ-सफाई, सड़कों के निर्माण, कचरा प्रबंधन, गंदे पानी की निकासी, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, शिक्षा के विकास, जल संरक्षण के कार्य तथा सामाजिक विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। जब हम आम नागरिकों को सुविधाएं देंगे तो व्यवस्था बनाने के लिए टैक्स भी लगाना होगा। पंचायत पदाधिकारियों से मैं लगातार संवाद कर रहा हूँ। ग्राम पंचायत की वास्तविकताओं का मुझे पूरा एहसास है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि पंचायतों को सशक्त करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सरपंचों की 15 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया गया है। 15वें वित्त आयोग में हर पंचायत को पर्याप्त राशि दी जा रही है। राज्य वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों को 1400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इस वर्ष मुख्यमंत्री जी ने इसे बढ़ाकर 6 हजार करोड़ रुपए कर दिया है। पंचायतों में अब राशि की कोई कमी नहीं है। हम जिस तरह अपने परिवार का वित्तीय प्रबंधन करते हैं उसी तरह ग्राम पंचायत का भी वित्तीय प्रबंधन करना होगा। ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारी पंचायतों के विकास की मंशा से कार्य कर रहे हैं। इनमें यदि कोई लापरवाही बरतेगा तो उस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सरपंच और जनपद सदस्य अपनी कठिनाईयों से अवश्य अवगत कराएं। इन कठिनाईयों को दूर करके ही पंचायतों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कोरोना काल में कार्यों के बंद होने के कारण मजदूरी और मटेरियल के अनुपात में असंतुलन हो गया है। इसे विकासखण्ड स्तर से निर्धारित करके ठीक किया जा रहा है। विकास के कार्य में राशि की कोई कमी नहीं है। भवन विहीन सभी ग्राम पंचायतों को बिना मांगे पंचायत भवन तथा सामुदायिक भवन दिया जा रहा है। जो पंचायत भवन 30 से 40 साल पुराने हो गए हैं उन्हें भी समिति से परीक्षण कराकर उसकी रिपोर्ट के अनुसार नया भवन दिया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रत्येक पंचायत पदाधिकारी और आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं। नदियों के उद्गम स्थल को स्वच्छ बनाएं। अपने गांव के नदी और तालाबों की भी साफ-सफाई अवश्य करें। हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनवाएं जिससे उनके स्रोत में पानी की कमी न रहे। सम्मेलन के बाद प्रभारी मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित पोषण आहार प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद पंच-सरपंचों से संवाद का स्वागत योग्य अवसर आया है। जिले के प्रभारी मंत्री जी की पहल से ग्राम पंचायतों के विकास को गति मिलेगी। ग्राम पंचायतों का विकास होगा तभी रीवा का विकास संभव है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गांव के विकास के लिए पर्याप्त राशि प्रदान कर रहे हैं। रीवा जिले में केवल जल जीवन मिशन से ही तीन हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

रीवा (कीर्तिप्रभा).सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। मंत्री श्री कुशवाह ने सभी जिलाधिकारियों को प्राप्त आवेदन पत्रों का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण के निर्देश दिए है। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। योजना में कल्याणी बहनों को विवाह उपरांत 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा योजनांतर्गत आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। इच्छुक हितग्राही द्धह्लह्लश्चह्य-//1द्ब1ड्डद्धश्चशह्लह्लड्डद्य.द्वश्च.दश1.द्बठ्ठ पर पब्लिक डोमेन से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के लिये समग्र पोर्टल पर जानकारी अपडेट होना आवश्यक है। आवेदिका एवं उसके पति का आधार ई-केवायसी समग्र पोर्टल पर होना अनिवार्य है, समग्र पोर्टल पर वैवाहिक स्थिति विवाहित होना अनिवार्य है, 8 अंको की समग्र परिवार आईडी एक ही होना अनिवार्य है। सभी जिला अधिकारी ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण कर 30

युवा संगम कार्यक्रम 21 अप्रैल को आईटीआई रीवा में

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिले के शासकीय आईटीआई रीवा में 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

तेज धूप पैदा कर रही कई बीमारियां...अस्पतालों में बढ़े मरीज

तापमान में बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर पड़ रहा असर

रीवा / भोपाल(कीर्तिप्रभा)मौसम का मिजाज बदलने के बाद तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम के कारण सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग बीमारी के चपेट में आ रहे हैं। इससे सीजनल बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। यही कारण है कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिसमें सर्वाधिक सर्दी, जुकाम, बुखार के अलावा पेट दर्द, शरीर दर्द, डायरिया, चर्म रोग, हार्ट सहित अन्य बीमारियों के मरीज शामिल है।यही नहीं धूप अब सिर्फ झुलसा नहीं रही, सोचने-समझने की ताकत भी चुरा रही है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ रहा है, जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया केस तेजी से सामने आ रहे हैं। स्थिति यह है कि हमीदिया अस्पताल के मनोरोग विभाग की ओपीडी में ऐसे केस अप्रैल माह में 15 फीसदी तक बढ़े हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक तापमान दिमाग में डोपामिन और सेरोटॉनिन जैसे न्यूरो ट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया फेज के केस बढ़ते हैं। इन मरीजों में तेज़ बोलना, नींद की कमी और निर्णय लेने की क्षमता का कमजोर होना प्रमुख लक्षणों के रूप से देखे जा रहे हैं।

बायपोलर डिसऑर्डर का धूप से सीधा कनेक्शन

बायपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है। जिसमें व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार चढ़ाव होता है। यह दो तरह का होता है। जिसमें पहला मेनिया है। इसमें व्यक्ति उत्साह और ऊर्जा की अधिकता महसूस करता है। यह तब होता है जब व्यक्ति तेज धूप के संपर्क में ज्यादा रहता है। जिसमें समय पर इलाज ना लिया जाए या सावधानी ना रखी जाए तो यह एक्यूट मेनिया का रूप ले सकता है। वहीं, बारिश या ठंड में जब धूप कम होती है तब इसके दूसरे रूप डिप्रेशन के मामले बढ़ते हैं। जिसमें उदासी और ऊर्जा की कमी के एपिसोड शामिल होते हैं।

बायपोलर डिसऑर्डर व एंग्जाइटी का खतरा ज्यादा

मनोचिकित्सा विभाग की एसोसिएट के अनुसार, गर्मी में दो रोग बायपोलर डिसऑर्डर और एंग्जाइटी के केस ज्यादा बढ़ते हैं। गर्मी बढ़ने पर सूर्य की रोशनी तेज होती है। जिससे न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ता है और बायपोलर डिसॉर्डर के मरीज मेनिया फेज में चले जाते हैं। जो इस रोग के पुराने रोगी हैं, उन्हें सावधान रहना चाहिए। वे दवा समय पर खाएं, पर्याप्त नींद जरूर लें, खुद को हाइड्रेट रखें और तेज धूप में ज्यादा देर से बचें। एम्स में इंटरवेंशनल न्यूरो-साइकेट्री सर्विसेज संचालित की जा रहीं हैं। जिन मरीजों में पुरानी विधि से फायदा नहीं मिला या उनपर दवाएं असर नहीं करती हैं। तब उनके इलाज के लिए इन नई सुविधा का उपयोग किया जाता है। जिसमें से एक अल्ट्रा ब्रीफ पल्स ईसीटी है। गंभीर अवसाद, बायपोलर डिसऑर्डर समेत अन्य जटिल मानसिक बीमारियों के लिए यह एक प्रभावी उपचार है। इसमें रोगी के सिर से इलेक्ट्रोड संलग्न कर उसमें विद्युत धारा प्रवाहित करके दिमाग तक पहुंचाई जाती है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।